8 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-6 | जनवरी 2026 | पृष्ठ-32 | मूल्य : ₹ 20.00

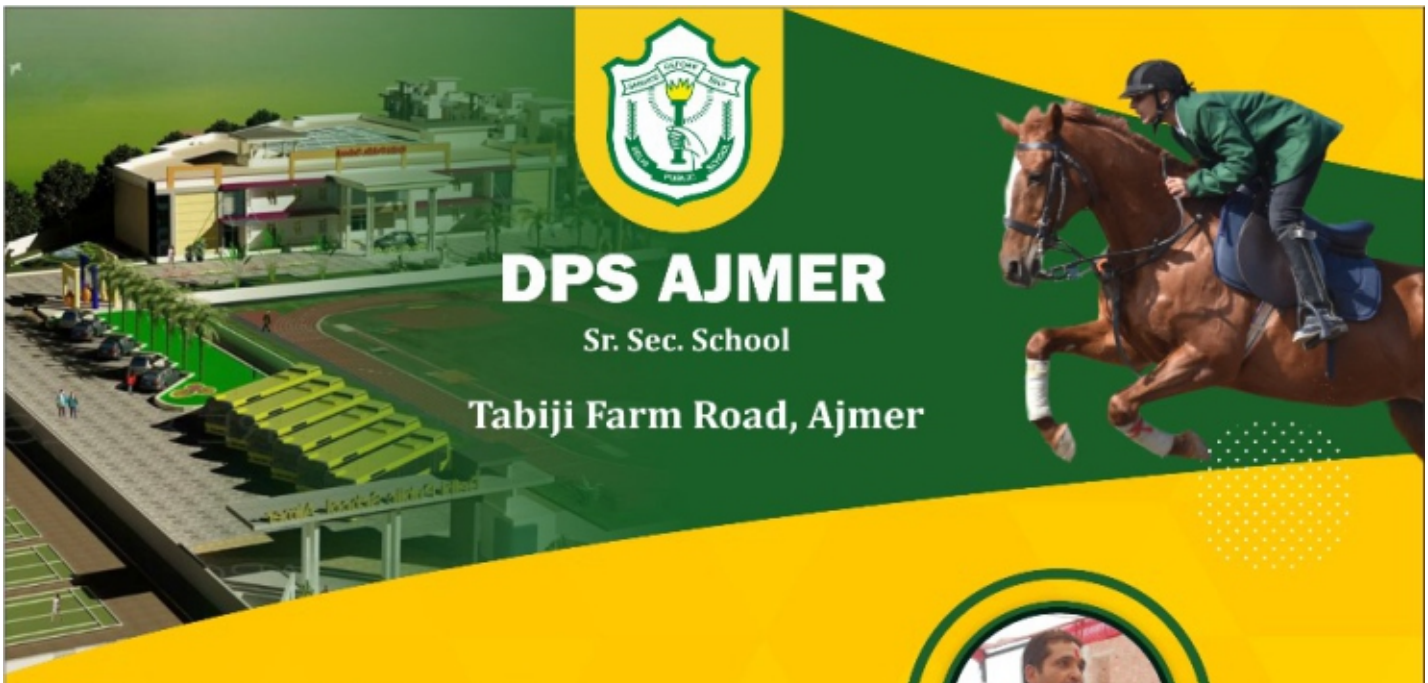

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
		मोहन लाल कुमावत	**मो. 9887557425**
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

कुछ काम करो,कुछ काम करो,
जग में रहकर कुछ नाम करो।
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो।
समझो जिसमें यह व्यथ न हो।
कुछ तो उपयुक्त करो तन को
नर हो न निराश करो मन को।

राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त की इस कविता का संदेश है कि मानव जीवन अमूल्य है, इसे आलस्य एवं निष्क्रिय रहकर व्यर्थ नहीं गवाना चाहिए। कुछ अच्छे काम करो और इस समाज एवं दुनिया में अपना योगदान दे कर जीवन को सार्थक बनाओ।

ऐसा ही कार्य किया था पं. श्रीराम शर्मा ने जिन्होंने गायत्री परिवार बनाया जिसके लाखों अनुयायी आज अध्यात्म एवं सनातन के लिए समर्पित भाव से निस्वार्थ कार्य करने में रत है। साथ ही हजारों किताबें लिखकर जीवन जीने के लिए मार्गदर्शन भी दिया। **पूज्य गुरुजी की तप साधना के 100 वर्ष, उनकी धर्म पत्नी परम वंदनीय माताजी भगवती देवी शर्मा के धरती पर अवतरण के 100 वर्ष और अखण्ड दीपक के प्राकट्य के 100 वर्ष पूरे हो गये है,** इसका आयोजन पावन भूमि हरिद्वार में हो रहा है। यह कार्यक्रम सम्पूर्ण मानवता का है, आसुरी शक्तियों से बचाने के लिए गायत्री परिवार ने आध्यात्मक प्रकाश सुरक्षित रखा है।

हम सभी भी हमारे कुमावत समाज मानवता के उत्थान के लिए अपने जीवन में योगदान देकर इस जीवन को सफल बनाएं। हम ज्यादा कुछ नहीं कर सके तो अपनी बचत में से कुछ अंश का सामाजिक संस्थाओं को सामाजिक कार्यों के लिए दान एवं सहयोग देकर उनका पोषण कर सकते हैं। अपने तथा बच्चों के जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ या ऐसे शुभ अवसरों पर यह नेक कार्य अवश्य करें। नि:सन्देह इससे हम कुछ सहयोग तो कर पायेंगे साथ ही हमें असीम संतोष की अनुभूति होगी।

हम निष्क्रिय रहकर तथा आलस्य में अपना जीवन बर्बाद नहीं करें। अपना व्यापार एवं व्यवसाय में इतनी वृद्धि करें कि समाज के कुछ युवाओं को रोजगार दे सकें। जब आप उनके परिवार की ओर ध्यान देंगे तो पायेंगे कि आज उनका जीवन, आपके उपकार से चल रहा है। हमारे समाज के कुछ लोग ऐसा कर पायें है, यहां उनका नाम लेना उचित नहीं होगा, पर वे धन्यवाद के पात्र हैं। शिक्षा दान भी महत्वपूर्ण है, यदि कु छ गरीब बच्चों की शिक्षा में मदद कर पायें तो जरूर करें। एक दिन वह विद्यार्थी देश का अच्छा नागरिक तो बनेगा ही साथ ही आपकी कृतज्ञता को जीवनभर नहीं भूल पायेगा।

इस नववर्ष में हम संकल्प लें कुछ अच्छे कार्य करने को। यह हमारे मन को भी अच्छा लगेगा।

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
विशिष्ट संरक्षक : डॉ. देवेन्द्र मोहन कुमावत (डी.एम. कुमावत)	4
डॉ. अरविन्द सिंघाटिया	5
शांतिकुंज में 18 दिव्य ज्योति कलशों का पावन आगमन	5
स्मृति शेष... : स्व. श्री घीसा सिंह नागा	6
राजेश कुमावत बने भाजपा जयपुर शहर के सोशल मीडिया सह-संयोजक	7
प्रखर राष्ट्रवादी सेना के कार्यक्रम में आशुतोष कुमावत विशिष्ट अतिथि	7
श्री कुमावत क्षत्रिय महिला समिति, अजमेर द्वारा पौष बड़ा आयोजन	8
श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था की खेल प्रतियोगिता सम्पन्न	8
सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का नववर्ष स्नेह मिलन सम्पन्न	8
कुमावत वरिष्ठ नागरिक नववर्ष स्नेह मिलन एवं साधारण सभा संपन्न	9
मंदिर श्री नृसिंह जी में धार्मिक उल्लास के साथ वार्षिकोत्सव संपन्न	9
78वें सेना दिवस जयपुर में आयोजित	10
प्रतिमा पर माल्यार्पण कर स्वतंत्रता सेनानी बाबूशोभाराम की जयंती मनाई	10
बधाल जिला जयपुर में राष्ट्रीय आध्यात्मिक ज्ञान शिविर संपन्न	10
परीक्षा के तनाव से कैसे बचे ?	11
थोड़ा मुस्कुरा लीजिए	11
सर्दियों में त्वचा जन्य समस्याएं एवं उनका उपचार	12
भारतीय मनीषियों की बातों पर पर अंधविश्वास ही क्यों ?	12
महाशिवरात्रि : अज्ञान से ज्ञान, देह से चेतना और साधारण से दिव्यता की यात्रा	13
हर महिला सीखे लाईफ स्किल्स	14
मुकेश कुमावत बने असिस्टेंट लोको पायलट	15
बीकानेर की करणी कुमावत ने बढ़ाया प्रदेश का गौरव	15
अनीता ओकेश कुमावत की एग्रिकल्चर वैज्ञानिक में 4th रैंक	15
डॉ. शिल्पा कुमावत	15
प्रहलाद राय टाक को काठमांडू में मिला अवार्ड	16
राष्ट्र का गौरव : सोमनाथ मंदिर	17
दुनिया के सबसे विराट रामायण मंदिर में विश्व के सबसे विशाल शिवलिंग की स्थापना	18
डॉ. अनूप कुमावत प्रशासनिक सेवा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में उपनिदेशक नियुक्त	18
जयपुर में आयोजित 78वें सेना दिवस परेड की झलकियां	18
सारी सृष्टि आपके लिये मंगलमय हो जाएगी	19
प्रोसेस्ड फूड एवं जंक फूड से युवाओं की घटती क्षमता	19
अरावली का महत्व	20
150 बच्चों को स्वेटर-इनर वितरण, ओपन शेल्टर होम में कोचिंग सेंटर शुरू करने का संकल्प	20
छत्रपति शिवाजी	21
मेवाड़ कुमावत महाकुम्भ 2025 संम्पन्न	21
अलौकिक सुगंध से सराबोर पारिजात वृक्ष	22
बथुआ साग नहीं, एक औषधि है	23
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	26
विज्ञापन	27-30

विशिष्ट संरक्षक

डॉ. देवेन्द्र मोहन कुमावत (डी.एम. कुमावत)

पुत्र स्व. श्री आनन्दी लाल रेणीवाल एवं श्रीमती शारदा देवी
निवासी ई-3, विक्रम विश्वविद्यालय परिसर, उज्जैन (म.प्र.)

श्री डी.एम. कुमावत का जन्म 23 फरवरी 1963 को हुआ। ये प्रारम्भ से ही प्रखर बुद्धि के थे। इन्होंने बी.एस.सी. (आर्नस) वनस्पति शास्त्र (Botany) एवं एम.एस.सी. (वनस्पति शास्त्र) में की। तत्पश्चात वनस्पति शास्त्र में Ph.D. की। इनका विवाह विनीता कुमावत से हुआ। इनकी पुत्री डॉ. गीताली MDS एवं बेटा लवीश कुमावत, MBBS है। ये वर्तमान में वनस्पति एवं पर्यावरण प्रबन्ध संस्थान सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के आचार्य एवं अध्यक्ष एवं निदेशक महाविद्यालय विकास परिषद विश्वविद्यालय उज्जैन हैं।

डॉ. डी.एम. कुमावत एवं श्रीमती विनीता कुमावत मधुर स्वभाव के धनी हैं तथा अपने बच्चों को डॉक्टर बनवा कर मानव समाज की सेवा का कार्य किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार **डॉ. डी.एम. कुमावत** के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

कविता कुमावत पुत्री श्री ओम प्रकाश कुमावत (मणेठिया) निवासी विकास नगर बी हीरापुरा धावास जयपुर (गांव हिरनोदा भंदे बालाजी, फुलेरा) जयपुर राजस्थान ने 78वें सेना दिवस 15 जनवरी 2026 के अवसर पर महल रोड जगतपुरा जयपुर में आयोजित सेना दिवस परेड में एनसीसी की ओर से परेड की अगुवाई कर **'सीनियर अंडर ऑफिसर कविता कुमावत'** ने कुमावत समाज व परिवार का नाम रोशन किया है कविता कुमावत को **बहुत-बहुत बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।**

डॉ. अरविन्द सिंघाटिया

डॉ. अरविंद सिंघाटिया वर्तमान में लीगलकार्ट के संस्थापक और सीईओ हैं। **LegalKart** भारत का एक ऑनलाइन कानूनी प्लेटफॉर्म और ऐप है जो नागरिकों और वकीलों को जोड़ता है, जहां लोग 24X7 ऑडियो/वीडियो कॉल के माध्यम से विशेषज्ञों से कानूनी सलाह ले सकते हैं, कानूनी दस्तावेज़ तैयार करवा सकते हैं और अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं; यह वकीलों के लिए प्रैक्टिस मैनेजमेंट (प्रबंधन) और क्लाइंट्स तक पहुँचने का भी काम करता है। नेशनल स्टार्टअप डे-2026 पर बिजनेस स्टैण्डर्ड में प्रकाशित न्यूज के अनुसार इससे देश के 21000 वकील जुड़े हुए हैं।

अरविंद ने संस्कृत साहित्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और जोधपुर स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय से प्रबंधन और कानून में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है।

अरविंद ने सीबीएसई के लिए प्रबंधन पर कई पाठ्यपुस्तकें लिखी हैं और नेशनल लॉ स्कूल्स में प्रवेश के इच्छुक छात्रों के लिए एक पुस्तक भी प्रकाशित की है। ये हवाई मॉडल उड़ाने के शौकीन हैं और इन्हें सिंगल इंजन वाले विमान उड़ाने का अनुभव भी है।

अपने 15 वर्षों के अनुभव में, डॉ. अरविंद सिंघाटिया ने निम्नलिखित पदों पर कार्य किया है:

- एस्सेल समूह में ग्रुप कॉर्पोरेट अफेयर्स के उपाध्यक्ष
- एसीएमई सोलर में कार्यकारी उपाध्यक्ष
- ओला कैब्स में लोक नीति और कानूनी मामलों के उपाध्यक्ष
- मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया के उत्तर भारत प्रमुख
- नई दिल्ली स्थित फिक्की में सहायक निदेशक
- चंडीगढ़ स्थित पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स में क्षेत्रीय निदेशक
- नई दिल्ली स्थित इंडियन फ्रैंचाइज़ एसोसिएशन के प्रमुख

उन्हें कैलिफोर्निया स्थित यंग साइंटिस्ट्स यूनिवर्सिटी द्वारा प्रबंधन के क्षेत्र में मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया है।

45 वर्षीय डॉ. अरविन्द सिंघाटिया के पिता **श्री सुखराम सिंघाटिया, अतिरिक्त आयुक्त, वाणिज्यकर विभाग, राजस्थान से सेवानिवृत्त हैं** तथा अपने कार्यकाल के दौरान इन्होंने अपने कार्य एवं व्यवहार से सभी चहेते अधिकारी रहे हैं। ये मूलत: कुचेरा जिला नागौर के निवासी है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार डॉ. अरविन्द कुमावत के उज्ज्वल भविवष्य की कामना करता है।

शांतिकुंज में 18 दिव्य ज्योति कलशों का पावन आगमन

गायत्री परिवार की माँ भगवती देवी के जन्म के 100 वर्ष पूर्ण होने पर हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में ज्योति कलश यात्रा के अंतर्गत देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रवास कर 18 दिव्य ज्योति कलश शांतिकुंज पहुँचे। इस अवसर पर आदरणीय डॉ. चिन्मय पंड्या जी एवं आदरणीया शेफाली दीदी के सान्निध्य में कलश पूजन, पुष्पार्चन एवं भव्य शोभायात्रा संपन्न हुई। वेदमंत्र, शंखनाद और प्रज्ञा बैंड के साथ यह आयोजन आगामी जन्मशताब्दी महोत्सव के दिव्य शुभारंभ का संदेश है।

समारोह के दौरान आदिवासी समाज के सैकड़ों कलाकारों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य ने सांस्कृतिक चेतना और लोक-आत्मा का जीवंत चित्र उपस्थित किया।

इस अवसर पर स्वामी सतपाल महाराज, आदरणीय श्री सुरेश चव्हाणके, आदरणीय श्री राजेश्वर सिंह, भारतीय अंतरिक्ष यात्री आदरणीय श्री शुभांशु शुक्ला तथा राज्य मंत्री आदरणीय श्री विनय रुहेला की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक प्रेरक बना दिया।

स्व. श्री घीसा सिंह नागा

देहदान कर मिसाल बने

3 जनवरी, 2025 को फुलेरा निवासी, श्री घीसा सिंह नागा का 96 वर्ष की उम्र में स्वर्गवास हो गया। स्व. श्री घीसा सिंह नागा, रमेश सिंह नागा तथा डॉ. अभिमन्यु सिंह नागा (डायरेक्टर आयुष मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, मुकुंदपुरा रोड, भांकरोटा, जयपुर) के पिता थे। ये जीवन भर सादगी एवं सरल स्वभाव के रहे। अपने निधन होने पर देहदान की अनूठी मिसाल पेश कर गये। जो सेवा एवं समाज कल्याण का दृढ़ संकल्प है। इनकी पार्थिव देह सवाईमानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर को दान दी गई। इसके लिए प्रिंसीपल डॉ. दीपक माहेश्वरी, HOD डॉ. राजेश अरोड़ा, डॉ. सीमा गुप्ता, डॉ. धीरज सक्सेना, डॉ. नन्दलाल, डॉ. रिया नन्दवानी, डॉ. प्रेक्षा एवं समस्त स्टॉफ एनाटामी विभाग ने कृतज्ञता व्यक्त की तथा पुण्यात्मा की स्मृति में एक फलदार वृक्ष भी लगाया। यह 325वां देहदान व 61वां त्वचा दान है।

इनकी देहदान से चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययन व अध्यापन के नये आयाम स्थापित होंगे जिससे मानव समाज को लाभ होगा। साथ ही देहदान का इनका संकल्प लोगों के लिए प्रेरणा बनेगा।

इनके तीये की बैठक अर्थात श्रद्धांजलि सभा 5 जनवरी को हॉस्पिटल परिसर पर हुई। इस दौरान पगड़ी दस्तूर की रस्म भी बड़ी ही सादगी से सम्पन्न कर समाज के सामने अच्छा उदाहरण पेश किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार स्व. श्री घीसा सिंह नागा को सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

मेरा बैरी, मैं मुवा, मुझे न मारै कोई।
मैं ही मुझकौं मारता, मैं मरजीवा होई॥

मेरा सबसे बड़ा दुश्मन 'मैं' (अहंकार) है, जिसे कोई नहीं मार सकता। जब मैं स्वयं अपने 'मैं' को मार देता हूँ, तब मैं मरकर भी अमर (मरजीवा) हो जाता हूँ, यानी जीवन्मुक्ति प्राप्त करता हूँ।

– दादू दयाल

श्रद्धांजलि

श्री केशरमल सोकिल (कुमावत)

निवासी : श्री हीरा भवन, धोलीमंण्डी, चौमूं
(श्री लक्ष्मी क्रेन सर्विस प्रा.लि., चौमूं)

का निधन 16.1.2026 को जाने पर
'कुमावत इण्डिया' पत्रिका
परिवार की ओर से सादर श्रद्धांजलि।

श्रद्धांजलि

10.12.1940 - 21.01.2024

द्वितीय पुण्यतिथि 21 जनवरी 2026

हमारे प्रिय

श्री चेतन लाल जी सिरोहिया (ठिकेदार)

हम सभी परिवारजन आपको
सादर श्रद्धांजलि अर्पित
करते हैं।

श्रद्धान्वत **धर्मपत्नी** : पार्वती देवी, **पुत्र-पुत्रवधू** : प्रभु नारायण-भुवनेश्वरी, बद्रीनारायण-संगीता, रूपेश-अनीता, भीमसिंह-दीप्ति (भा.कु.क्ष.म. रजि. राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री, परामर्शदाता, कु.क्ष.वि. समिति सांगानेर), **पुत्री-दामाद** : मीना-राकेश जी (ए.जी. ऑफिस), **पौत्र-पौत्रवधू** : नितेश-अंकिता (जयपुर परिवारिक कार्यालय), **पौत्री-दामाद** : याशु (सी.ए.)-क्षितिज जी, ऋषिका-सौरभ जी, जैशिका-अजीत जी, **पौत्र-पौत्री** : पारूल, चेल्सी, मुकुल, भव्य, हनी, घनिष्ठा, **दोहित्र** : आदित्य, **पड़दोहित्री** : आही, **पड़दोहित्र** : कबीर, **पड़पोत्री** : वान्या।

प्रतिष्ठान : ऋषिका कंस्ट्रक्शन,
निर्माण इंफ्रास्टक्चर एंड डेवलपर्स, सिरोहिया फुटवियर

सिरोहिया भवन, सिरोहियों की ढाणी, डिग्गी रोड, मुहाना मोड के पास, सांगानेर, जयपुर
मो. 9314424426, 9414041783, 9057373839, 9461086386

राजेश कुमावत बने भाजपा जयपुर शहर के सोशल मीडिया सह-संयोजक

भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को डिजिटल स्तर पर और अधिक सशक्त व प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वरिष्ठ एवं अनुभवी जनसेवक राजेश कुमावत (धुंधारिया) को भाजपा जयपुर शहर का सोशल मीडिया सह-संयोजक नियुक्त किया है। जयपुर शहर में पार्टी की नीतियों, विचारधारा और जनहितकारी कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुँचाने की अब महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। राजेश कुमावत इससे पूर्व वार्ड 48, हैरिटेज नगर निगम के पार्षद रह चुके हैं। अपने कार्यकाल में उन्होंने वार्ड के सर्वांगीण विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता, सड़क, पेयजल एवं जनसमस्याओं के समाधान हेतु उल्लेखनीय कार्य किए। इसके साथ ही वे नगर निगम शहरी राष्ट्रीय आजीविका मिशन (NULM) के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं, जहाँ उन्होंने आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार एवं शहरी गरीबों के सशक्तिकरण के लिए कई प्रभावी योजनाओं को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सामाजिक क्षेत्र में भी राजेश कुमावत का योगदान प्रेरणादायी रहा है। वे वर्तमान में भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा, जयपुर शहर के जिला अध्यक्ष के रूप में समाज को संगठित करने, सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने, शिक्षा के प्रचार-प्रसार, युवाओं के मार्गदर्शन तथा जरूरतमंद वर्गों की सहायता हेतु निरंतर समर्पित भाव से सक्रिय हैं। समाजहित में किए जा रहे उनके अनुकरणीय एवं दूरदर्शी कार्यों ने उन्हें एक संवेदनशील, कर्मठ एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध नेतृत्वकर्ता के रूप में विशिष्ट पहचान दिलाई है। इसके साथ ही वे भंवरी देवी चैरिटेबल सोसायटी के अध्यक्ष पद पर रहते हुए सेवा कार्यों को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। सोसायटी द्वारा प्रतिवर्ष निःशुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविरों का आयोजन, आयोजित किए जाते हैं, जो सामाजिक उत्थान, मानव सेवा और प्रेरणादायी मूल्यों को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं।

भाजपा जयपुर शहर में सोशल मीडिया सह-संयोजक नियुक्त होने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

प्रखर राष्ट्रवादी सेना के कार्यक्रम में आशुतोष कुमावत विशिष्ट अतिथि

21 दिसंबर 2025 को जयपुर में प्रखर राष्ट्रवादी सेना द्वारा सनातन संस्कृति के थीम पर कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदु हित में सकारात्मक संदेश प्रसारित करना रहा। आयोजित सनातन उद्घोष 2025 कार्यक्रम में आशुतोष कुमावत को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर उद्घोष मंच पर समाज उन्नयन, राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण, सांस्कृतिक उत्कृष्टान के लिए प्रखर राष्ट्रवादी सेना की ओर से हार्दिक अभिनंदन कर प्रशस्ति-पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जाति बिरादरी प्रमुखों का सामाजिक कार्यों के लिए सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में एक बैनर पर सभी साधु-संतों तथा सभी जाति बिरादरी प्रमुखों द्वारा रक्त हस्ताक्षर किये गए जिसे केंद्र सरकार को प्रेषित किया जाएगा।

इस महासंगम में देश के प्रमुख मठों के संतो तथा हिंदूवादी प्रवक्ताओं ने सनातन धर्म के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य तौर पर विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमितोष पारीक, लेखक और प्रवक्ता डा. ओमेंद्र रत्नू तथा बीजेपी के विजय बैंसला की उपस्थिति रही। उनसे रही मुलाकात और वार्ता अविस्मरणीय रही।

अक्षय राष्ट्रवादी, राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सनातन उद्घोष का संचालन किया गया। मुख्य मांगे रही:

1. जिला स्तर पर सनातनी घर वापसी केंद्र बने।
2. सभी घुसपैठियों को भारत से निष्कासित किया जाए।
3. जनसंख्या नियंत्रण अधिनियम को शीघ्रता से बनवाकर लागू किया जाए।
4. सभी अतिक्रमण किए हुए मंदिरों की पुन: प्राप्ति की जाए।
5. विकसित भारत के साथ पूर्णतया सनातनी राष्ट्र की घोषणा, इत्यादि।

श्री कुमावत सेवा संस्थान, बाड़मेर की नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ है जिसमें- अध्यक्ष - श्री दीनदयाल जी बोरावट गूंगा, उपाध्यक्ष - श्री हरीश कुमार जी चाडा थूम्बली, कोषाध्यक्ष - श्री सवाई जी लिम्मा हेमानाडा, सचिव - श्री सवाई जी भटिया निम्बला निर्वाचित हुए हैं। नवगठित कार्यकारिणी को हार्दिक शुभकामनाएं।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

कुचामन सिटी के गौरव श्री चंदूराम कुमावत को राजस्थान अंडर-14 छात्र वर्ग जिम्नास्टिक टीम का कोच नियुक्त किया गया है।

यह चयन इनकी मेहनत, समर्पण और खेल के प्रति लगन का परिणाम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में राजस्थान टीम राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी।

श्री चंदूराम कुमावत के आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ।

श्री कुमावत क्षत्रिय महिला समिति, अजमेर द्वारा पौष बड़ा आयोजन

अजमेर। श्री कुमावत क्षत्रिय महिला समिति, अजमेर के तत्वावधान में 8 जनवरी 2026 को परंपरागत एवं धार्मिक आस्था से ओतप्रोत पौष बड़ा आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन ने समाज की धार्मिक परंपराओं को सशक्त करने के साथ-साथ महिला शक्ति की एकजुटता, सेवा भावना और सांस्कृतिक चेतना को भी उजागर किया।

कार्यक्रम के दौरान समाज की महिलाओं ने पूर्ण श्रद्धा एवं उल्लास के साथ भजन-कीर्तन और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। भजनों की मधुर स्वर-लहरियों और सामूहिक सहभागिता ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को बड़े एवं हलवे के प्रसाद का वितरण किया गया, जिसे सभी ने श्रद्धाभाव से ग्रहण किया।

इस अवसर पर महिला समिति की सक्रिय सदस्याओं संगीता, माला, भारती, ज्योति, शीला सहित समिति की समस्त पदाधिकारी एवं सदस्याएँ उपस्थित रहीं। सभी ने आयोजन को सफल बनाने में अनुकरणीय सहयोग, समर्पण एवं संगठन क्षमता का परिचय दिया। महिला समिति द्वारा इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों का नियमित रूप से आयोजन किया जाना न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को संजोना है, बल्कि नई पीढ़ी को भी अपने संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। श्री कुमावत क्षत्रिय महिला समिति, अजमेर का यह प्रयास समाज में एकता, सहयोग और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देने वाला सराहनीय कदम है।

श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था की खेल प्रतियोगिता सम्पन्न

श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था के द्वारा हर वर्ष की तरह लाल कोठी स्कीम, जयपुर के पास कुमावत समाज की महिलाओं और लड़के लड़कियों के लिए संस्था ने 25 दिसंबर 2025 को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, संस्था की अध्यक्ष श्रीमती शोभा गहलोत ने बताया की खेलकूद में भाग लेने वाले लड़के लड़कियां और महिलाएं जो खेल में विजेता हुई

उनको पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया, यह खेलकूद कराने का उद्देश्य समाज की महिलाओं लड़के लड़कियों को जागृत करना है इस प्रतियोगिता में करीब 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया, संस्था की ये 11वीं प्रतियोगिता थी इसका आयोजन संस्था की सभी सदस्यों के आपसी सहयोग से आयोजित होता है।

- रेणु कुंडलवाल

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का नववर्ष स्नेह मिलन सम्पन्न

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) विद्याधर नगर की इकाई द्वारा पाल के हनुमान जी, सिरसी रोड, जयपुर में 11 जनवरी 2025 को नववर्ष स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के स्थापना दिवस पर झोटवाड़ा, जयपुर में महिलाओं द्वारा निकाले जाने वाली शोभा यात्रा पर विचार विमर्श के साथ-साथ समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान किया गया। इस क्रम में पवन कुमावत निवासी सांगानेर को स्टोन कार्विंग आर्ट के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित होने, श्रीमती आशा कुमावत को फायर ब्रिगेडियर में उत्कृष्ट कार्य करने पर जिला कलेक्टर द्वारा सम्मानित करने तथा पिरामल फाइनेन्स में सौरव कुमावत द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर ईमानदारी एवं मेहनत से 7वां स्थान प्राप्त करने पर माला एवं साफा पहनाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर बम्बोरिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री रूप सिंह कुमावत, मुख्य सलाहकार श्री विमल कुमावत द्वारा स्वागत किया गया। तत्पश्चात् सभी कार्यकर्ताओं ने भोजन प्रसादी का आनन्द लिया। इसमें मुख्य रूप से लोकेश संगाठिया, सोनिया डाल, सोहन लाल अजमेरा, सरोज बडीवाल, रजनी सिरोहिया, सत्यनारायण मारवाल, मनोहर नरानिया, जीवराज सिरोहिया आदि सैकडों की संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

भोपाल (म. प्र.) मे आयोजित 14वी राष्ट्रीय ड्रैगन बॉट प्रतियोगिता 2026 मे राजस्थान जूनियर मिक्स टीम ने स्वर्ण पदक राजस्थान की झोली में डाला। राजस्थान टीम के 6 खिलाड़ी कुमावत समाज उदयपुर के हैं।

कुमावत वरिष्ठ नागरिक नववर्ष स्नेह मिलन एवं साधारण सभा संपन्न

कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट (रजि.) उदयपुर की साधारण सभा बैठक एवं नववर्ष स्नेहमिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन 11 जनवरी 2026 को शिवगढ़ पैलेस एवं रिसोर्ट, उदयपुर में हर्षोल्लास एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री दुष्यंत जी लारना द्वारा प्रस्तुत श्रीराम स्तुति एवं मंगलाचरण से किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय एवं सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया।

इस अवसर पर उदयपुर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों चित्तौड़गढ़ एवं नाथद्वारा से भी बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री हेमंत पड़ियार एवं श्रीमती शारदा द्वारा किया गया।

सभा में नवंबर 2025 से जनवरी 2026 तक जिन सदस्यों के जन्मदिवस एवं वैवाहिक वर्षगांठ रहे, उनको उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया गया। साथ ही शिवगढ़ पैलेस एवं रिसोर्ट परिवार द्वारा रिसोर्ट निःशुल्क उपलब्ध करवाने पर अध्यक्ष श्री हरिशंकर खंडारिया द्वारा श्री शिवकुमार जी गोठवाल का विशेष सम्मान किया गया।

कार्यकारिणी की पूर्व बैठक में प्रस्तावित बिंदुओं पर साधारण सभा में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा ध्वनिमत से अनुमोदन किया गया। मुख्य रूप से ट्रस्ट के भूमि आवंटन संबंधी समस्त प्रक्रिया के लिए अध्यक्ष श्री हरिशंकर खंडारिया को अधिकृत किया गया।

इस अवसर पर श्री मदनमोहन टांक द्वारा कुमावत समाज की उत्पत्ति पर की गई शोध का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया तथा समाज के इतिहास संबंधी जानकारी संकलन हेतु सभी सदस्यों से सर्वे फॉर्म भरवाए गए।

सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष श्री हरिशंकर खंडारिया ने कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट के सभी सदस्यों से आग्रह किया कि समाज के वृद्धजनों हेतु वृद्धाश्रम की भूमि क्रय करने के उद्देश्य से प्रत्येक सदस्य प्रतिमाह रु.100 की राशि नियमित रूप से ट्रस्ट में जमा करावे। उन्होंने कहा कि ''बूंद-बूंद से सागर भरता है और हम सभी मिलकर इस पुनीत उद्देश्य को साकार करेंगे।''

इस अवसर पर श्रीमती रुक्मणी देवी धर्मपत्नी श्रीमान जगदीश जी बबेरीवाल द्वारा एक लाख रुपया एवं श्री गिरधारी लाल जी सिंघनवाल, द्वारा 21111/-अब तक कुल 72 0111 श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी श्रीमान मगनीराम जी करेड़ीवाल द्वारा 21551/- श्रीमान शांतिलाल जी अजमेरा द्वारा 5 हजार रुपए को भूमिकोष में उनके विशेष सहयोग हेतु उपरना ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, होऊजी खेल एवं मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में ट्रस्ट के मंत्री श्री शंकर लाल जी भदाणिया ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सभा का समापन किया। तत्पश्चात सभी सदस्यों ने सुरुचिपूर्ण भोजन ग्रहण कर कार्यक्रम का विसर्जन किया। समारोह आपसी प्रेम, स्नेह, सौहार्द एवं सामाजिक एकता के संदेश के साथ समाज के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक प्रेरणादायी आयोजन सिद्ध हुआ।

मंदिर श्री नृसिंह जी में धार्मिक उल्लास के साथ वार्षिकोत्सव संपन्न

ट्रस्ट मंदिर श्री नृसिंह जी (रजि.), 637-638 (दुकान नं. 32), नमक की मण्डी, किशनपोल बाजार, जयपुर के तत्वावधान में 18 जनवरी 2026 को मंदिर प्रांगण में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें कुमावत समाजजनों तथा सनातन धर्म प्रेमियों की मौजूदगी में सुन्दरकाण्ड के पाठ, हनुमान चालीसा पाठ तथा आरती की गई। उपस्थित सभी अतिथियों, समाज बन्धुओं, सनातन धर्मप्रेमियों ने बालाजी महाराज की आरती की। आरती के पश्चात् हलवा व पकोड़ी का भोग लगाकर दोना प्रसादी वितरित की गई। जिसका सनातन धर्म प्रेमियों ने भरपूर आनन्द लिया। कार्यक्रम में आए गणमान्य अतिथियों का स्वागत सम्मान सर्वश्री नारायण लाल सिरोहिया, ओम बासनीवाल, ज्ञान खोवाल, शीला कुमावत, राजसिंह वर्मा, राजकुमार जालवाल, मनोज बाबरिया, शशीकान्त अनावड़िया द्वारा किया गया। सम्माननीय अतिथियों में सर्वश्री कैलाश चन्द्र शर्मा (वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), राजेन्द्र नायक (माननीय राज्यमंत्री एवं अध्यक्ष अनुसूचित जाति वित्त विकास आयोग), मयंक रोहिल्ला (स्वयंसेवक, भारती भवन), अरविन्द मेठी (पार्षद, वार्ड नं. 71), श्रीमती बीना मेठी (पार्षद प्रत्याशी), आनन्द मेठी, सी.ए. रामगोपाल नीमिवाल, रामपाल जूनवाल, विजयपाल मारवाल (अध्यक्ष ढूंढाढ़ परिषद), अरुण कसुम्भीवाल (वास्तुविज्ञ), रमेश तोंदवाल, पूरन मामोडिया, महेन्द्र बगरानिया, दिनेश नीमिवाल, राजकुमार कण्डेरीवाल, गौरीशंकर मारवाल, की उपस्थिति रही। इस अवसर पर कुमावत समाज के गणमान्यजन तथा सनातनत धर्मप्रेमियों में सर्वश्री ताराचन्द बासनीवाल, राजेश कुसुम्भीवाल, सुशील छापोला, गगनराज तोंदवाल, ताराचन्द देवतवाल, अमृत खोरानिया, अमर सिंह सिरोहिया, डॉ. राजेश शर्मा, दिलीप सिंह मारोठिया, संदीप मारोठिया (फोटोग्राफर), निखिल भदानिया, दिव्यांश अनावड़िया, श्रीमती सुनीता वर्मा, श्रीमती मेनादेवी कुमावत, श्रीमती किरण देवी कुमावत, श्रीमती अनीता कुमावत, श्रीमती संतोष खंडेलवाल, श्रीमती भगवती यादव, श्रीमती सावित्री शर्मा, श्रीमती दीपा खोरानिया, श्रीमती मधु शर्मा तथा बालक-बालिकाएं भी उपस्थिति रहे।

78वें सेना दिवस जयपुर में आयोजित

15 जनवरी 2026 को राजस्थान की राजधानी जयपुर ने भारतीय सेना के 78वें सेना दिवस के ऐतिहासिक उत्सव की मेजबानी की। यह पहला अवसर था जब सेना ने अपनी वार्षिक परेड को दिल्ली और सैन्य छावनियों से बाहर निकालकर आम जनता के बीच गुलाबी नगरी की सड़कों पर आयोजित किया।

1. भव्य सेना दिवस परेड (महल रोड, जगतपुरा)

सुबह 10:00 बजे जगतपुरा स्थित महल रोड पर वीरता और अनुशासन का अद्भुत दृश्य दिखाई दिया। परेड की सलामी थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ली।

- भैरव बटालियन का उदय- परेड का मुख्य आकर्षण नवनिर्मित 'भैरव बटालियन' रही। 'ऑपरेशन सिंदूर' के अनुभवों से सीख लेते हुए गठित की गई यह बटालियन पैरा स्पेशल फोर्सेस और इन्फैंट्री के बीच की कड़ी है, जो आधुनिक और तकनीकी युद्ध के लिए तैयार की गई है।
- हथियारों का प्रदर्शन: 'आत्मनिर्भर भारत' की झलक दिखाते हुए स्वदेशी ब्रह्मोस मिसाइल, पिनाका रॉकेट सिस्टम, अर्जुन टैंक, और K-9 वज्र तोपों ने अपनी गर्जना से आसमान गुंजा दिया।
- भविष्य की तकनीक: परेड में पहली बार रोबोट डॉग्स (Robo Dogs), ऑल-टेरेन वाहन और 'आकाशतीर' एयर डिफेंस सिस्टम का प्रदर्शन किया गया। ड्रोन शक्ति को समर्पित विशेष टुकड़ी ने आधुनिक युद्ध में भारत की बढ़ती ताकत को दिखाया।

2. शौर्य संध्या और ड्रोन शो (SMS स्टेडियम)

शाम को सवाई मानसिंह (SMS) स्टेडियम में 'शौर्य संध्या' का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उपस्थित रहे।

- 1,000 ड्रोन्स का जादुई शो: रात के अंधेरे में एक साथ 1,000 ड्रोन्स ने जयपुर के आकाश को एक विशाल कैनवास में बदल दिया। ड्रोन्स ने हवा में महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज, और रानी लक्ष्मीबाई जैसी महान विभूतियों की आकृतियाँ बनाई। इसके अलावा, आकाश में सैनिकों के पराक्रम और तिरंगे की लहराती हुई आकृतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।
- ऑपरेशन सिंदूर का नाट्य रूपांतरण: स्टेडियम में लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से 'ऑपरेशन सिंदूर' की गाथा को जीवंत किया गया। इसमें दिखाया गया कि कैसे भारतीय सेना ने सटीक प्रहार कर देश की सीमाओं की रक्षा की।
- साहसिक प्रदर्शन: सेना के 'डेयरडेविल्स' ने मोटरसाइकिल पर हैरतअंगेज कारनामे दिखाए, और नेपाली सेना के बैंड की प्रस्तुति ने इस वैश्विक मंच पर भारत-नेपाल मैत्री की मिठास घोल दी।

3. सम्मान और प्रेरणा

इस दौरान सेना प्रमुख ने 5 वीर शहीदों के परिजनों को मरणोपरांत सेना मेडल (वीरता) प्रदान किए। करीब 1.5 लाख से अधिक जयपुरवासियों ने सड़क किनारे और स्टेडियम में खड़े होकर अपनी सेना का अभिवादन किया। यह आयोजन केवल एक शक्ति प्रदर्शन नहीं था, बल्कि भारतीय सेना की **'पीपल टू पीपल कनेक्ट'** पहल का हिस्सा था, जिसने राजस्थान के युवाओं को सेना में शामिल होकर देश सेवा करने के लिए एक नई प्रेरणा दी।

प्रतिमा पर माल्यार्पण कर स्वतंत्रता सेनानी बाबूशोभाराम की जयंती मनाई

अलवर आर्ट्स कॉलेज महाविद्यालय तथा राज्य में अनेक स्थानों पर में 7 जनवरी को मत्स्य संघ के प्रथम प्रधानमंत्री व स्वतंत्रता सेनानी बाबू शोभाराम की जयंती मनाई गई। डॉ. अजय वर्मा ने प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उनके योगदान को याद किया। कॉलेज प्राचार्य व संकाय सदस्यों ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उल्लेखनीय है कि बाबू शोभाराम राजस्थान के प्रथम राजस्व मंत्री, वित्त मंत्री, अलवर से लगातार दो बार सांसद, यूआईटी के प्रथम अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और लोक लेखा समिति के अध्यक्ष जैसे पदों पर रहे हैं। इस दौरान स्वतंत्रता आंदोलन में बाबू शोभाराम के योगदान को याद करते हुए उन्हें अलवर का गांधी और राजस्थान की राजनीति का चाणक्य कहा गया। इस अवसर पर डॉ. गायत्री यादव, डॉ. सुरेंद्र सिंह वेदवान, डॉ. अशोक गुप्ता व डॉ. राजकुमार गोयल उपस्थित रहे।

बधाल जिला जयपुर में राष्ट्रीय आध्यात्मिक ज्ञान शिविर संपन्न

बधाल, जिला जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय आध्यात्मिक ज्ञान शिविर के अंतर्गत आज मुझे योग एवं प्राणायाम की विशेष कक्षा का आयोजन करने का अवसर मिला इस अवसर पर बच्चों को योग, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया, जिससे उन्हें शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक लाभों से अवगत कराया बच्चों को प्राणायाम के महत्व को समझाते हुए नियमित योग अभ्यास से होने वाले लाभों की जानकारी दी। शिविर में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योग क्रियाओं को सीखकर उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प दिलाया।

-प्रभुदयाल कुमावत, पतंजलि योग समिति
किशनगढ़ तहसील प्रभारी

परीक्षा के तनाव से कैसे बचे ?

पढ़ाई में दिलचस्पी हो या पढ़ने का जूनून! परीक्षा के वक्त अधिकांश छात्र तनाव (स्ट्रैस) की स्थिति में आ ही जाते हैं। एग्जॉमफोबिया के कारण स्टूडेंट्स अधिक अंक लाने की चाहत में दिनभर किताबों से चिपके रहते है, ऐसी स्थिति का परिणाम यह होता है कि स्टूडेंट परीक्षा के दौरान तो स्ट्रैस में रहता ही है, साथ ही वह परीक्षा परिणाम आने तक भी चिंता में डूबा रहता हैं।

कारण साफ है कि माता-पिता द्वारा अपने बच्चे पर अधिक अंक लाने का दबाव डालना, जो लगभग हर स्टूडेंट के तनाव का कारण बनता हैं। हर माता पिता यह चाहते है कि उनका बच्चा बहुत अच्छे अंक लाये और उनका नाम रोशन करें। ताकि उसे अच्छे कॉलेज में दाखिला मिल जायेगा या वो उसे कोई कोर्स कराये जिससे उसका भविष्य उज्ज्वल बन सके। लेकिन ज्यादातर छात्र पूरे सालभर मौज-मस्ती करते है और जब परीक्षा नजदीक आती है उस समय बहुत परेशान हो जाते है। वे परीक्षा के दिनों से कुछ समय पूर्व पढ़ना आरम्भ करते है, जिससे उनको अपनी पढ़ाई एक चट्टान सी नजर आती हैं। पढ़ाई करने का दबाव उनको मानसिक तौर पर बीमार बनाने लगता है। यह दबाव हर उस छात्र को होता है जिसको अच्छे नंबर लाने होते है। 3 इडियट्स का डायलॉग हैं ''खुद के फैल होने पर उतना दुःख नहीं होता है जितना दुःख अपने बेस्ट फ्रेंड के प्रथम आने पर होता है''। वह मानवीय प्रकृति है जो बिल्कुल सच हैं। अपनी कक्षा में सबसे ज्यादा अंक लाना या अपने शहर में सबसे ज्यादा अंक लाना, मेरिट लिस्ट में खुद को शामिल करना, वह वह दबाव होता है जो स्टूडेंट के दिमाग में स्वयं आ जाता हैं।

चाहे परीक्षा के तैयारी का वक्त हो, परीक्षा का या उसके बाद रिजल्ट के इन्तजार का माहौल हो। इस स्ट्रैस से बचना बहुत जरुरी हैं। इसलिए रिलैक्स स्टडी से ही अच्छे परिणाम की उम्मीद की जा सकती हैं। इसलिए पढ़ाई और परीक्षा को लेकर खुद में डर पैदा न करें। पढाई में मेहनत करे और परीक्षा दे। नियमित रूप से पढ़ने की आदत डाले और रूटीन के अनुसार पढ़े। सिलेबस के अनुसार तैयारी बिल्कुल टॉपिक वाइज करे। इससे तैयारी भी अच्छी होगी और परीक्षा के समय बेवजह तनाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। परीक्षा के शेड्यूल के अनुसार अपने पढ़ाई का टाइम टेबल बनाना होगा। किस तरह से पढ़ना है, उसकी सटीक योजना बना ले और फिर उस योजना के तहत दिनचर्या का हर हाल में पालन करे। अगर आपने बेहतर तरीके से टाइम मैनेजमेंट किया है, तो इससे एग्जाम की तैयारी में सहूलियत होती है, जिससे तनाव भी नहीं होगा। टेलीविजन व अन्य शोर शराबे वाले माहौल से दूर रहने की कोशिश करें। आशावादी सोच बनाये रखे ताकि नई स्फूर्ति पैदा हो सकें। मन में रोजाना एक नई उम्मीद देने वाला विचार लाये। गहन अध्ययन के दौरान बीच बीच में ब्रेक जरुर ले।

एग्जाम के दिनों में चिंता को दूर करने के लिए किसी ड्रग, दवा, सिगरेट, शराब या अन्य नशीली चीजों के सेवन से बचे। क्योंकि ये मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक होते हैं। जब सेहत ही सही नहीं होगी, तो भला पढाई कैसे अच्छी तरह से हो सकेगी? इसलिए संतुलित आहार लें व जंक फूड से बचे। नियमित रूप से व्यायाम करना मानसिक रूप से व शारीरिक रूप से फिट रखेगा। अतः यह याद रखे कि शारीरिक सक्रियता मानसिक तनाव को कम करने में मददगार होती है। परीक्षा के दौरान कम से कम 7 घंटे की नींद जरुर ले। नींद से कोई समझौता न करें। दोस्तों यदि आप बताये गये टिप्स को पूरी दृढ़ता के साथ फॉलो करते हैं तो यह आपको एग्जाम स्ट्रैस से दूर रख पाएगें। ध्यान रहें केवल योजना बनाने से ही नहीं, उसे सही तरीके से सही दिशा में क्रियान्वन को लेकर दृढ़ संकल्प लेंवे। जरुरी है कि इस प्रकार के तनाव को खुद पर हावी न होने दे तथा इससे बचने की कोशिश करें। **- मुकेश कुमावत बोराज, जयपुर**

थोड़ा मुस्कुरा लीजिए

''ढूंढिये वजह मुस्कुराने की'' के स्थान पर अब पढ़ें ''थोड़ा मुस्कुरा लीजिए''

एक वृद्ध व्यक्ति के जीवनकाल में अनेक दुख आये, पर वह प्रतिदिन गांव की चाय की दुकान पर आता तो मुस्कुराते हुए। उसे मुस्कुराते देखकर वहां बैठे सभी लोग खुश हो जाते। एक दिन गांव के एक युवक से रहा नहीं गया और उस वृद्ध से उसने पूछ ही लिया, ''बाबा आपके जीवन में इतने दुख एवं समस्याएं आयी फिर भी आप कैसे मुस्कुरा लेते हैं? आप यह कैसे कर लेते हैं।'' वृद्ध व्यक्ति ने चाय की चुस्की लेते हुए उस युवक को उत्तर दिया वह विचार करने और जीवन में उतारने योग्य है। वृद्ध ने कहा कि बेटा मुस्कुराने का उसका फैसला लेने के बाद उसका दुःख आधा रह गया। मुस्कान दर्द को हल्का कर देती है, डर को तोड़ देती है और उम्मीद को जगा देती है और व्यक्ति मुश्किल पर जीत हासिल कर लेता है। मुस्कान का मतलब यह नहीं है कि जिन्दगी आसान है, इसका आशय है कि हम हार मानने को तैयार नहीं चाहे परिस्थितियां कैसी भी क्यों ना हो।

इसलिए ''थोड़ा मुस्कुरा लीजिए'', यह आपका हौसला बन जाएगा और यह जीत तो दिला ही देगा। **- अमिता कुमावत**

सर्दियों में त्वचा जन्य समस्याएं एवं उनका उपचार

सर्दियों में हवा में नमी की कमी और ठंडी हवाओं के कारण हमारी त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी खो देती है। इस दौरान त्वचा से जुड़ी कई समस्याएँ आम हो जाती हैं।

सर्दियों में होने वाले चर्म रोगों और उनकी देखभाल के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी आप के लिए प्रस्तुत है:-

1. सर्दियों में होने वाली आम समस्याएं जैसे —

- **अत्यधिक सूखापन (Xerosis):** त्वचा का फटना, सफेद धारियां पड़ना और पपड़ी जमना।
- **खुजली (Winter Itch):** रूखेपन के कारण शरीर में तेज खुजली होना, खासकर नहाने के बाद।
- **एक्जिमा और सोरायसिस:** जिन्हें ये बीमारियां पहले से हैं, सर्दियों में उनकी समस्या अक्सर बढ़ जाती है।
- **फटी एड़ियां और होंठ:** पैरों की त्वचा सख्त होकर फटने लगती है और होंठों से खून भी आ सकता है।

2. त्वचा की देखभाल के प्रभावी तरीके —

सर्दियों में त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए निम्न सुझाव बहुत कारगर हो सकते हैं:

- **नहाने के पानी का तापमान:** बहुत गर्म पानी से नहाने से त्वचा का प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है। हमेशा गुनगुने पानी का उपयोग करें और नहाने का समय 10-15 मिनट से ज्यादा न रखें।
- **मॉइस्चराइजर का सही चुनाव:** पानी आधारित (Water-based) लोशन के बजाय तेल आधारित (Oil-based) क्रीम या ऑइंटमेंट का उपयोग करें। नारियल तेल, जैतून का तेल या बादाम तेल भी बेहतरीन विकल्प हैं।
- **सही समय पर मॉइस्चराइज करना:** नहाने के तुरंत बाद, जब त्वचा हल्की नम हो, तभी मॉइस्चराइजर लगाएं। इससे नमी त्वचा के अंदर लॉक हो जाती है।
- **कोमल साबुन:** कठोर या खुशबूदार साबुन के बजाय गिलसरीन युक्त या माइल्ड क्लीन्ज़र का इस्तेमाल करें।
- **धूप से बचाव (Sunscreen):** सर्दियों की धूप अच्छी लगती है, लेकिन यह त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

3. खान-पान और जीवनशैली : त्वचा की चमक केवल बाहर से नहीं, बल्कि अंदरूनी पोषण से भी आती है:

- **पानी का सेवन:** प्यास कम लगने के बावजूद दिन भर पर्याप्त पानी पिएं ताकि त्वचा हाइड्रेटेड रहे।
- **आहार:** ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर चीजें (जैसे अखरोट, अलसी के बीज) और मौसमी फल (जैसे संतरा, अमरूद) खाएं।
- **कपड़ों का चुनाव:** ऊनी कपड़ों को सीधे त्वचा पर पहनने के बजाय नीचे सूती (Cotton) कपड़ा पहनें, क्योंकि ऊन से कुछ लोगों को एलर्जी या खुजली हो सकती है।

यदि आपकी त्वचा में निम्नलिखित लक्षण दिखें, तो चर्म रोग विशेषज्ञ (Dermatologist) से सलाह लें:

- त्वचा से खून आना या गहरे कट पड़ना।
- घरेलू उपायों के बाद भी खुजली कम न होना।
- त्वचा पर लाल चकत्ते या सूजन आना।

-डा. पी.एम. कुमावत

भारतीय मनीषियों की बातों पर पर अंधविश्वास ही क्यों ?

पश्चिम की विज्ञान की आँधी ने हमारा Mind Setup ऐसा बना दिया है कि भारतीय मनीषियों की कोई बात हमारे ज़ेहन में तब तक नहीं उतरती है जब तक कि वैज्ञानिक रूप से वह बात सिद्ध न हो जाय। आधुनिक शिक्षा से शिक्षित तथाकथित विद्वान भारतीय मनीषियों की बात तब तक अंधविश्वास ही मानते हैं , जब तक वह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध न हो जाये।

भक्ति और कुछ नहीं है, बल्कि किसी के प्रति कृतज्ञता के भाव दर्शित/ उद् भवित (Express / Cultivate) करना है। वह चाहे परम पिता परमेश्वर हो, God हो या फिर वायु, अग्नि, आकाश, पृथ्वी, जल जैसे पंचभूत हो, या सूर्य, चन्द्रमा आदि ग्रह एवं तारे हो। अर्थात् प्रकृति में जिनसे भी हमें कुछ मिलता / जिनके भी हम ऋणी है, जिन्हें भारतीय मनीषियों ने देवता कहा , उनके प्रति हमारे विचारों में कृतज्ञता के भाव होने चाहिये, यही हमारी भक्ति है। हमारे मन में किसी के प्रति कृतज्ञता के भाव है तो उस वक्त हम भक्ति का कृत्य कर रहे हैं। इसी तथ्य को मद्देनज़र रखते हुए भारतीय मनीषियों ने 33 करोड़ देवी देवताओं की परिकल्पना हमारे सामने रखी, जिसकी आजकल के कई विद्वान हँसी उड़ाते हुए मिल जाते हैं।

वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब भी हमारे ज़ेहन में किसी के प्रति कृतज्ञता के भाव आते हैं तो इस कृतज्ञता के भाव का लाभ हमारे शरीर में स्थित 37 खरब कोशिकाओं को मिलता है। प्रकृति का यह नियम है कि हमारे शरीर में हर क्षण अरबों कोशिकाएँ मर कर नई पैदा होती रहती हैं । इस प्रक्रिया के दौरान DNA Replication होता है जिसके तहत क्रोमोसोम्स की लम्बाई कुछ कम हो जाती है, जो कि हमारे Aging Effect एवं अन्य कई बीमारियों जिसमें कैंसर भी सम्मिलित है, के लिए जिम्मेदार है । कृतज्ञता / भक्ति के भाव से यह लम्बाई पुनः बढ़ जाती है। इसीलिए मानव जीवन में भारतीय मनीषियों ने भक्ति / कृतज्ञता के भाव को इतना महत्व दिया है। **-एस आर सिंघाटिया**

महाशिवरात्रि : अज्ञान से ज्ञान, देह से चेतना और साधारण से दिव्यता की यात्रा

महाशिवरात्रि भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का वह विराट पर्व है, जो मनुष्य को उसके सीमित अस्तित्व से उठाकर शाश्वत चेतना से जोड़ने का अवसर प्रदान करता है। यह केवल किसी तिथि विशेष या धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित उत्सव नहीं है, बल्कि आत्मबोध, संयम और अंतर्मुखी साधना का प्रतीक है। यह रात्रि बाह्य अंधकार से अधिक, आंतरिक अज्ञान के नाश की रात्रि है, जिसमें मनुष्य अपने भीतर छिपे अंधकार को पहचानकर प्रकाश की ओर अग्रसर होता है।

भारतीय दर्शन में शिव को केवल एक देवता के रूप में नहीं, बल्कि तत्त्व, चेतना और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के रूप में देखा गया है। वे सृजन, पालन और संहार—तीनों के अधिष्ठाता हैं। इसी कारण उन्हें महादेव कहा गया है। शास्त्रों में कहा गया है—

निरंजनो निराकारो एको देवो महेश्वरः।

अर्थात् महेश्वर ही ऐसे देव हैं जो निरंजन, निराकार और सर्वव्यापक हैं।

महाशिवरात्रि का पौराणिक एवं आध्यात्मिक आधार : महाशिवरात्रि से जुड़ी अनेक पौराणिक कथाएँ हैं, जो इसके महत्व को विभिन्न आयामों में स्पष्ट करती हैं। एक मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान शिव और देवी पार्वती का विवाह हुआ था। यह विवाह केवल लौकिक दांपत्य का प्रतीक नहीं, बल्कि शक्ति अर्थात् प्रकृति और शिव अर्थात् चेतना के मिलन का प्रतीक है। यह संदेश देता है कि जब शक्ति और चेतना का संतुलन होता है, तभी सृष्टि का संचालन संभव है।

समुद्र मंथन की कथा में जब कालकूट विष उत्पन्न हुआ और सम्पूर्ण सृष्टि के विनाश का संकट खड़ा हो गया, तब भगवान शिव ने उस विष को स्वयं पीकर अपने कंठ में धारण कर लिया। इस महान त्याग से वे नीलकंठ कहलाए। यह घटना शिव के करुणामय, त्यागी और रक्षक स्वरूप को उजागर करती है। यह भी संकेत देती है कि समाज और संसार की रक्षा के लिए कभी-कभी विष को स्वयं ग्रहण करना पड़ता है।

इसी प्रकार गंगा के पृथ्वी पर अवतरण के समय शिव द्वारा उन्हें अपनी जटाओं में धारण करना यह दर्शाता है कि चेतना के बिना शक्ति विनाशकारी हो सकती है। शिव संतुलन, संयम और विवेक के प्रतीक हैं। एक अन्य मान्यता के अनुसार इसी दिन निराकार सदाशिव ने लिंग स्वरूप धारण किया। इसलिए शिवलिंग को निराकार ब्रह्म का प्रतीक माना गया है और भक्त रात्रि जागरण कर उनकी आराधना करते हैं।

शिवरात्रि : साधना, उपवास और ध्यान का पर्व : महाशिवरात्रि का महत्व साधना की दृष्टि से अत्यंत विशेष माना गया है। ऐसा विश्वास है कि इस रात्रि ब्रह्मांडीय ऊर्जा की स्थिति ध्यान के लिए सर्वाधिक अनुकूल होती है। इसी कारण रात्रि जागरण, ध्यान और मंत्र-जप की परंपरा विकसित हुई।

उपवास केवल शरीर को कष्ट देने का माध्यम नहीं, बल्कि इंद्रियों को संयमित कर मन को भीतर की ओर मोड़ने की प्रक्रिया है। जब शरीर हल्का और शुद्ध होता है, तब मन सहज ही ध्यान की अवस्था में प्रवेश करता है। ध्यान के साथ '**ॐ नमः शिवाय**' मंत्र का जप चेतना को ऊर्ध्वगामी बनाता है। इस पंचाक्षरी मंत्र के पाँच अक्षर पाँच महाभूतों—पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश—के संतुलन का संकेत देते हैं। इसके निरंतर जप से मन, शरीर और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित होता है।

शिवलिंग, सादगी और आत्मसमर्पण : शिवलिंग निराकार शिव का प्रतीक है। मंदिरों में जहाँ अन्य देवताओं की मूर्तियाँ भव्य अलंकरण से सुसज्जित होती हैं, वहीं शिवलिंग अत्यंत सादा और साधारण होता है। यही सादगी शिव का सौंदर्य है। अन्य देवताओं को जहाँ गुलाब, कमल, मोगरा आदि फूल चढ़ाए जाते हैं वहीं शिव जी को आक, धतूरा और बेलपत्र अर्पित किए जाते हैं। इनका प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि भक्त अपने भीतर के विष—काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार—को शिव को समर्पित करता है। किंतु समय के साथ मनुष्य ने बाह्य प्रतीकों को अधिक महत्व दिया और आंतरिक विकारों के समर्पण को भूल गया।

शिवरात्रि : अज्ञान रूपी रात्रि का अंत : अन्य देवताओं की जयंती दिन में मनाई जाती है, किंतु शिव की जयंती रात्रि है, क्योंकि शिव अयोनि हैं और उनका कोई लौकिक जन्म नहीं। शिवरात्रि अज्ञान रूपी अंधकार के अंत का प्रतीक है, जिसमें मानवता डूबी हुई है। शिव का अवतरण किसी देह में नहीं, बल्कि चेतना में होता है। वे मनुष्य को तमस, अज्ञान और आसुरी वृत्तियों से मुक्त करने के लिए प्रकट होते हैं।

ऋतु चक्र के अनुसार भी यह पर्व परिवर्तन का प्रतीक है। बसंत ऋतु का आगमन, पुराने पत्तों का झड़ना और नये अंकुरों का फूटना—यह सब शिव-तत्त्व के नवसृजन का संकेत है।

नटराज शिव और ब्रह्मांडीय नृत्य : नटराज रूप में शिव का तांडव नृत्य सृष्टि के चक्र का दार्शनिक प्रतीक है। यह नृत्य केवल विनाश नहीं, बल्कि नवसृजन का आधार है। महाशिवरात्रि पर देश के अनेक मंदिरों में नृत्य उत्सव आयोजित होते हैं, जहाँ कला, भक्ति और दर्शन एकाकार हो जाते हैं।

शिव : कण-कण में व्याप्त चेतना : शिव किसी एक मूर्ति, रूप या स्थान तक सीमित नहीं हैं। वे कण-कण में व्याप्त हैं। इसी भाव को दुर्गेश कुमार 'शाद' की कविता अभिव्यक्त करती है—

कंकड़-पर्वत, हवा-आग, आकाश-धरा,
कतरे से लेकर सागर हूँ – मैं शिव हूँ।
जिसने चाहा मैं उसे मिला हूँ तप से,
मैं सत्यम हूँ, मैं सुंदर हूँ – मैं शिव हूँ।

यह कविता शिव को तत्व, सत्य और सौंदर्य के रूप में प्रतिष्ठित करती है।

महामृत्युंजय मंत्र - अमर चेतना की प्रार्थना :

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्॥

यह मंत्र मृत्यु से भय नहीं, बल्कि बंधनों से मुक्ति और अमर चेतना की प्राप्ति की कामना करता है।

अत: निष्कर्ष रूप में हम कह सकते हैं कि महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या परंपरागत पर्व नहीं है, बल्कि यह मानव चेतना के उत्कर्ष और आत्मिक शुद्धि का गहन अवसर है। यह पर्व हमें बाह्य आडंबरों, रूढ़ियों और कर्मकांडों से आगे बढ़कर अपने भीतर झाँकने की प्रेरणा देता है। शिव की आराधना का वास्तविक अर्थ मंदिरों में जाकर पुष्प अर्पित करना भर नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान विकारों, अहंकार और अज्ञान को त्यागकर चेतना के शुद्ध स्वरूप को पहचानना है।

शिव निराकार हैं, अशरीरी हैं और जन्म-मरण के बंधनों से परे हैं। इसलिए महाशिवरात्रि का संदेश भी देह केंद्रित जीवन से ऊपर उठकर आत्मा केंद्रित जीवन की ओर अग्रसर होना है। यह रात्रि अज्ञान, तमस और मोह की प्रतीकात्मक रात्रि है, जिसके अंत में ज्ञान, प्रकाश और विवेक का उदय होता है। जब मनुष्य अपने भीतर की इस अज्ञान निद्रा से जागता है, तभी वह शिव तत्व से साक्षात्कार कर पाता है।

महाशिवरात्रि हमें यह भी सिखाती है कि सच्ची साधना सरलता, सादगी और समर्पण में निहित है। शिवलिंग की सादगी, आक-धतूरे जैसे सामान्य पुष्पों का अर्पण और नि:स्वार्थ भक्ति यह संकेत देती है कि ईश्वर को भव्यता नहीं, बल्कि भाव की शुद्धता प्रिय है। यह पर्व हमें अपने भीतर के विष—काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार—को पहचानने और उन्हें शिव को समर्पित करने की प्रेरणा देता है, ताकि जीवन में संतुलन, शांति और करुणा का विकास हो सके।

वर्तमान समय में, जब मानव जीवन तनाव, असंतुलन और वैचारिक भ्रम से ग्रस्त है, तब महाशिवरात्रि का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह पर्व हमें आत्मसंयम, ध्यान और विवेक के माध्यम से जीवन को सही दिशा देने का मार्ग दिखाता है। शिव का स्मरण हमें यह समझाता है कि विनाश के बिना नवसृजन संभव नहीं और अज्ञान के नाश के बिना ज्ञान का उदय नहीं होता।

अत: महाशिवरात्रि को केवल एक पर्व के रूप में नहीं, बल्कि आत्म-जागरण की प्रक्रिया के रूप में अपनाना ही इसकी सच्ची सार्थकता है। जब मनुष्य अपने भीतर शिव को अनुभव करता है, तभी वह सच्चे अर्थों में कल्याण, शांति और मुक्त चेतना की ओर अग्रसर होता है। यही महाशिवरात्रि का शाश्वत संदेश है।

डॉ प्रिया मारवाल, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

हर महिला सीखे लाईफ स्किल्स

ऐसे अनेक काम हैं जिसे महिलाएं भी जान लें तो जिन्दगी को आसान बनाया जा सकता है। जैसे बिजली का फ्यूज उड़ गया या एमसीबी ट्रिप हो गई, पानी का नल अचानक खराब हो गया, वाशिंग मशीन या अन्य घरेलू उपकरणों का त्रीपिन खराब हो गया, गैस सिलेण्डर बदलना आदि। यदि महिलाएं घर पर इन्हें ठीक कर सकती हैं तो समस्या का निवारण जल्दी हो जाता है, अन्यथा शाम को पतिदेव के आने या टेक्नीशियन आने का इंतजार करो। अनेक महिलाएं एक शहर से दूर शहर अकेली यात्रा नहीं कर पाती, कारण इतना सा कि कैसे क्या करेंगे ? यहां तक कि कैब बुक करना भी नहीं जानती है और न यूपीआई से भुगतान करना। ये रोजमर्रा के काम हैं तथा इन्हें जानना आज की जरूरत है। अत: इन कामों को सीख लेना ही जीवन को आसान बनाएगा।

यह जानकर अटपटा लगेगा कि महिलाएं अनजान व्यक्ति से बातचीत करने में झिझकती हैं। उन्हें अन्दर ही अन्दर यह डर सताता है कि क्या वे ठीक से जवाब दे पायेंगी ? कहीं कोई बात बिगड़ न जाए ? आदि। उन्हें समझना होगा कि आज की व्यस्त जिन्दगी में पुरुष सदैव घर पर तो नहीं रह सकते। उनके पीछे से महिलाओं को ही घर पर आये लोगों से बातचीत करनी होगी। बच्चों की स्कूल में प्रवेश दिलाने, फीस जमा कराने, पेरेन्ट्स मीटिंग में जाना तथा जरूरत पड़े तो बच्चों को स्कूल से लाना। इसके लिए वाहन चलाना आना चाहिए। बैंक व सरकारी कार्यालयों में कार्य के लिए जाना पड़े तो अवश्य जायें, इसके लिए पति ही जाए, जरूरी नहीं। काम में लिंगभेद नहीं होता। आज अनेक महिलाएं वो काम भी कर रही हैं जो पहले पुरुषों के माने जाते थे। ऐसे ही अनेक पुरुष वो कार्य कर रहे हैं जो पहले महिलाएं ही करती थी। भई, **जमाना आगे बढ़ गया है, हमारे समाज की महिलाएं पीछे न रहें, जमाने के साथ तो चले।** अनेक महिलाओं ने तो ये सब सीख लिया है जो अब तक ऐसा न कर पायी वे भी लाईफ स्किल्स जरूर सीखें और अपना जीवन आसान बनाएं। **–'कुमावत इंडिया' पत्रिका टीम**

मुकेश कुमावत बने असिस्टेंट लोको पायलट

बोराज निवासी मुकेश कुमावत ने भारतीय रेलवे में बैंगलोर जोन से असिस्टेंट लोको पायलट बनकर अपने सपने को साकार किया है। उनकी यह सफलता कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है।

मुकेश के पिता छीतर मल नेमीवाल कस्बे में ही लेथ मशीन व वेल्डिंग की दुकान करते है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता तथा गुरुजनों को दिया। उन्होंने कहा कि पिता ने मेहनत से पढ़ाया और मां ने हमेशा उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। शैक्षणिक उपलब्धियों की बात करें तो मुकेश ने B.Tech व MBA किया है। वर्तमान में निजी विद्यालयों में भौतिक विज्ञान विषय का शिक्षण कार्य कर रहे है। इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है तथा अनेक लोगों ने बधाई दी। गौरतलब है कि मुकेश कुमावत ने कुमावत इंडिया पत्रिका में भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए अपने लेख देकर समाज को जागरूक करने का कार्य किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका श्री मुकेश कुमावत की इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देती है एवं उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

डॉ. आयुषी कुमावत ने हाल ही में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से वाणिज्य (Commerce) विषय में पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में वे विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट में लेक्चरर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अपने संपूर्ण शैक्षणिक जीवन में उत्कृष्ट अंकों के साथ सफलता प्राप्त की है।बहुत बहुत बधाई उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

डॉ. शिल्पा कुमावत

भारतीय जनता पार्टी मुंबई की वरिष्ठ नेत्री, कुमावत समाज की गौरव डॉ. शिल्पा सांगोरे (कुमावत) BMC महानगर पालिका के वार्ड नंबर 17 से 14500 वोटों के प्रचंड मतों से विजयी होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

जालोर जिले के ग्राम बावड़ी की प्रतिभाशाली **आकांक्षा कुमावत** ने फरीदाबाद में आयोजित 34वीं राष्ट्रीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता 2025-26 में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई।

निकिता कुमावत ने जयपुर जंक्शन पर टीटी का पद ग्रहण किया। अब रेलवे में एक कुमावत महिला टीटी जैसे चुनौतीपूर्ण कार्य को सम्पादित कर कुमावत समाज की महिलाओं की प्रेरणा बनेगी। बहुत बधाई!

बीकानेर की करणी कुमावत ने बढ़ाया प्रदेश का गौरव

मणिपुर में आयोजित 69वें नेशनल स्कूल गेम्स (सत्र 2025-26) में राजस्थान की तीरंदाजी टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल) पर निशाना साधा है। इस सफलता में बीकानेर की उभरती हुई खिलाड़ी करणी कुमावत पुत्री मालचंद गेधर खारी का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। बधाई।

अनीता ओकेश कुमावत की एग्रिकल्चर वैज्ञानिक में 4th रैंक

अनीता ओकेश कुमावत एग्रिकल्चर वैज्ञानिक परीक्षा में आल इंडिया में 4th रैंक लाकर भारत की प्रथम कुमावत महिला एग्रीकल्चर वैज्ञानिक बनने पर बहुत बहुत बधाई व उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के नेता महेन्द्र कुमावत की सुपुत्री **अल्का कुमावत** को सरकारी मेडिकल कॉलेज करीमनगर तेलंगाना में एमबीबीएस कॉलेज में एडमिशन मिलने पर **हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।**

पूनम पारमवाल का इंडियन एयर फोर्स में चयन होने पर हार्दिक बधाई।

प्रहलाद राय टाक को काठमांडू में मिला अवार्ड

प्रहलाद राय टाक, चैयरमैन श्री यादे माटी कला बोर्ड, राजस्थान को माटीकला आर्ट के क्षेत्र में लगातार 2 वर्षों से उत्कृष्ट कार्य करने पर समरसता मंच द्वारा वैश्विक शांति समरसता सम्मेलन राजनयिक सम्बन्ध वियना अभिशरण अधिनियम 1972 एवं विचार प्रेजेंटेशन द्वारा रशियन कल्चर सेंटर काठमांडू नेपाल में एशिया कॉन्टिनेंट अवॉर्ड 25 देकर सम्मानित किया गया है। उन्हे यह सम्मान नेपाल के प्रथम महामहिम प्रथम उपराष्ट्रपति परमानंद झा, दिव्य पुरुष परमपूज्य जगदगुरू शिवशक्ति महाराज नेपाल सरकार, नेपाल सरकार के पूर्व उपप्रधानमंत्री राजेंद्र महतो, नेपाल की पूर्व लोकसभा स्पीकर श्रीमती इंदिरा राणा मगर व अध्यक्ष डॉ हुकम चंद गणेशिया चासंलर रोमा यूनिवर्सिटी नई दिल्ली, द्वारा शाल, नेपाली टोपी, प्रशस्ति पत्र, मेडल और मोमेंटो देकर 25 राष्ट्रों के राष्ट्र ध्वजों के सानिध्य में प्रदान किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से **श्री प्रहलाद राय टांक** को यह पुरस्कार मिलने पर हार्दिक बधाई।

कुमावत समाज के बाल वैज्ञानिक और गौरव रत्न **महावीर कुमावत** निवासी परासोली और **कृष्णा कुमावत** निवासी बागोलिया का इंस्पायर अवार्ड मानक 2024-25 में नवाचार आइडिया राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने पर बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

दांतारामगढ़ की ग्राम पंचायत बाय निवासी **मोनिका कुमावत** पुत्री श्री ओमप्रकाश जी कुमावत (सिरस्वा) का हैंडबॉल खेल में राष्ट्रीय स्तर पर सलेक्शन होने पर हार्दिक बधाई व उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाए।

ढुंढाड़ परिषद जयपुर द्वारा आयोजित पतंग महोत्सव कार्यक्रम की झलकी।

सिविललाईन्स विधानसभा विधायक आदरणीय श्री गोपाल जी शर्मा भाई साहब द्वारा लिखित पुस्तक **'मेरी मुलाक़ातें'** का लोकार्पण माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किशनराव बागड़े, माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी, क्रांतिवीर शहीद भगत सिंह जी के भतीजे श्री किरणजीत सिंह एवं पद्मश्री श्री अनवर खां मांगणियार की गरिमामयी उपस्थिति में जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में 'मेरी मुलाकातें' का पुस्तक विमोचन किया। इस अवसर पर मेघना कुमावत भी उपस्थित रही।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. द्वारा 28 दिसम्बर 2025 को बाल निवास भवन कल्याण जी का रास्ता इंद्रा बाजार जयपुर में सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्यों, प्रदेश कार्यकारणी, जिला कार्यकारणी, इकाई सदस्यों द्वारा सन् 2026 के कलेंडर का विमोचन तथा पौष-बड़ा का आयोजन किया गया। पधारे हुए सभी समाजजनों ने विमोचन के बाद भोजन प्रसादी का आनन्द लिया।

– डॉ. जयनारायण जूनवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि.

राष्ट्र का गौरव : सोमनाथ मंदिर

अटूट आस्था के 1,000 वर्ष (1026-2026)

सोमनाथ मंदिर को मोहम्मद गजनवी द्वारा जनवरी 1026 में नष्ट कर दिया था। किंतु अनेक बार इसका पुनर्निर्माण हुआ। आखिरकार वर्ष 1951 में इसका फिर से निर्माण हुआ। इसके विध्वंस के 1000 वर्ष पूर्ण हो गये पर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था रही। 8 से 11 जनवरी तक **सोमनाथ स्वाभिमान पर्व** मनाया गया जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी भाग लिया। इस अवसर पर सोमनाथ में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पी.एम. मोदी ने मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा शौर्य यात्रा में भी भाग लिया। पवित्र मंदिर में प्रार्थना के बाद प्रधानमंत्री ने एक विशाल जन सभा को सम्बोधित किया। एक ओर देवो के देव महादेव, दूसरी ओर समुद्र की विशाल लहरें, सूर्य की किरणें, मंत्रों की गूंज, आस्था का प्रवाह और दिव्य वातावरण में भागवान सोमनाथ के भक्तों की उपस्थिति इस अवसर को दिव्य और भव्य बना रहीं थी।

सोमनाथ ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है।

'सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्।।'

अर्थात् सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है।

सोमनाथ मंदिर भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित है, जिसे भारत की आत्मा का शाश्वत प्रतीक माना जाता है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम के अनुसार, 12 ज्योतिर्लिंगों में सोमनाथ का उल्लेख सबसे पहले आता है। शास्त्रों के अनुसार, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति पापों से मुक्त होता है और मनोवांछित फल प्राप्त करता है। सोमनाथ की गाथा पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की संतानों के स्वाभिमान की गाथा है। यह मंदिर इस बात का प्रमाण है कि आस्था में सृजन की शक्ति होती है; मंदिर बार-बार नष्ट किया गया लेकिन हर बार अपने वैभव के साथ फिर खड़ा हुआ।

देवी अहिल्याबाई होलकर ने विपरीत परिस्थितियों में भी यहाँ पूजा की निरंतरता सुनिश्चित करने का पुण्य कार्य किया। 1897 में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि सोमनाथ जैसे मंदिर हमें ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाते हैं। आज़ादी के बाद 1947 में सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ की स्थिति देख उसे पुनः निर्मित करने का ऐतिहासिक संकल्प लिया।

11 मई 1951 को तत्कालीन प्रधानमंत्री के विरोध के बावजूद राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। के.एम. मुंशी के अनुसार, सोमनाथ का भौतिक ढांचा भले ही नष्ट हुआ हो, लेकिन उसकी चेतना हमेशा अमर रही। 11 मई, 2026 को सोमनाथ मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का गौरवशाली वर्ष भी है।

आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है, कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है।

दुनिया के सबसे विराट रामायण मंदिर में विश्व के सबसे विशाल शिवलिंग की स्थापना

पूर्वी चंपारण के कैथवलिया स्थित सबसे विराट रामायण मंदिर में सहस्त्र लिंगम (विश्व के सबसे विशाल शिवलिंग) की स्थापना के लिए पीठ पूजा में माननीय मुख्यमंत्री श्री नितिश कुमार व उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

सनातन आस्था, भक्ति और गौरव के ऐतिहासिक संगम का प्रतीक होगा यह विशालतम शिवलिंग।

यह विशालतम शिवलिंग तमिलनाडु के महाबलीपुरम के पावन धरती पर लगभग 10 वर्षों की कठिन तपस्या एवं निरंतर प्रयास से बनाया गया है। यह 33 फुट ऊँचा और 210 टन वजनी है, दिव्य शिवलिंग एक ही ग्रेनाइट पत्थर से बना है। **हर-हर महादेव!**

डॉ. अनूप कुमावत प्रशासनिक सेवा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में उपनिदेशक नियुक्त

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के डॉ. अनूप कुमावत को प्रशासनिक सेवा पूर्व-प्रशिक्षण केन्द्र (APTC), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में उप-निदेशक (Deputy Director) के पद पर नियुक्त किया गया है। वर्तमान में, डॉ. अनूप कुमावत राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग (ABST) में विभागाध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी यह नियुक्ति समाज के लिए गर्व का विषय है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करता है एवं उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा **ममता कुमावत** निवासी कुमावतों की ढाणी, रेनवाल एनएसएस स्वयंसेवक श्री भवानी निकेतन महिला जयपुर को NSS Award दिए जाने पर हार्दिक बधाई।

डॉ.लालचन्द कुमावत पुत्र श्री ओमप्रकाश कुमावत निवासी आसलपुर, जयपुर को कृषि शस्य विज्ञान (AGRONOMY) से पीएचडी की। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान में माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे एवं माननीय कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के कर कमलों द्वारा डिग्री प्रदान की गयी। बहुत बधाई उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं।

जयपुर में आयोजित 78वें सेना दिवस परेड की झलकियां

सारी सृष्टि आपके लिये मंगलमय हो जाएगी

साधक उसे कहा जाता है जो अपने दिल के अन्दर छिपे हुए दोषों को निकाल निकाल कर उसे मिटाता है और संसारी वह होता है जो दूसरों के दोष देख-देखकर उसकी गलती निकालता है।

अहिंसा का भाव भगवान् की ओर से आता है। भगवान की कृपा हमारे हृदय में प्रकट हुई है, ऐसा तब समझना चाहिए जब हमारे मन में किसी को दुःख पहुँचाने का विचार स्वप्न में उदय न हो।

एक राजा थे, वे अपनी राजधानी में कभी-कभी निकला करते थे। एक दुकान के सामने जब आते थे, तब उनके मन में आता था, इस दुकानदार को पकड़कर फाँसी की सजा दें। जब-जब आवें, तभी-तभी यही मन में आवे। एक दिन उन्होंने दुकानदार को अपने दरबार में बुलाया और पूछा कि भाई! हमको तुम्हीं को देखकर यह मन में क्यों आता है? दुकानदार बोला- महाराज! हमारे अपराध को आप क्षमा करें। बात यह है कि मेरी चन्दन की लकड़ी की दुकान है और चन्दन बाजार में बिक नहीं रहा है। मेरे मन में भी यह आता है कि राजा जिस दिन मर जाए उस दिन हमारी दुकान की सारी लकड़ी बिक जाएगी। यह तो बराबरी की बात है भाई! तुम्हारे मन में हिंसा आ गई तो सामने वाले के मन में भी हिंसा आ गई। तो जब तुम्हें कोई गाली देता है तो अपने मन को देखो, हमसे कोई गलती तो नहीं हुई। **वस्तुतः संसार को अपने से अलग एवं सच समझना ही सबसे बड़ी गलती है, अविद्या है।** और फिर इस मायामय संसार में यह अच्छा है, यह बुरा है ऐसा मानना दूसरी गलती है। फिर, किसी को अच्छा मानकर फँस जाना और किसी को बुरा मानकर उससे नफरत करना, यह तीसरी गलती है।

देखो भाई! यदि आप समझते हो कि हम दूसरों की गलती दुर कर सकेंगे तो आप भूल में हो। इतनी बड़ी दुनिया, जिसमें इतने लोग, उनकी इतनी गलतियाँ, उनको दूर करने में लग जाओगे, तो तुम स्वयं गलत हो जाओगे। अनादिकाल से चली आयी इस सृष्टि में न जाने कितने अवतार, सन्त, फकीर, आचार्य, मजहब और पंथ हुए हैं-दुनिया में कुछ गलती कम हुई है। आज तक कुत्ते की पूँछ सीधी नहीं हुई।

यदि आप अपने दिल से अपनी गलतियों को निकाल लो तो सारी सृष्टि आपके लिये मंगलमयी, भवगद्मयी हो जाएगी और दुनिया को शुद्ध करने जाओगे, तो बस, किस किसको समझाओगे? तुम दुनिया से चले जाओगे, दुनिया नहीं सुधरेगी।

– प्रो. बालकृष्ण कुमावत, उज्जैन

प्रोसेस्ड फूड एवं जंक फूड से युवाओं की घटती क्षमता

हाल में हुई शोध से पता चलता है कि अमेरिका के 60% युवाओं की डाइट का हिस्सा अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड एवं जंक फूड है। इनके उपयोग से युवाओं की कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इस प्रवृत्ति को जारी रखा गया तो स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी बोझ बढ़ेगा। बल्कि देश की उत्पादकता और आगामी पीढ़ी की बौधिक क्षमता भी खतरे में पड़ सकती है। अमेरिकी सरकार ने 2025-30 डायटरी गाइडलाईन्स के माध्यम से इस स्थिति को **''टिकिंग टाइम बम''** बताया तथा जागरूक होने की चेतावनी दी है।

डिब्बा बन्द स्नेक्स, मीठे पेय पदार्थ तथा फास्ट फूड एवं जंक फूड में चीनी, नमक और अस्वास्थ्यकर वसा की अत्यधिक मात्रा शरीर के पोषण में कमी करती है। इससे मोटापा, डायबिटीज और हृदय रोगों की दर युवाओं में बढ़ रही है। परिणाम कम उम्र में ही थकान और स्टेमिना की कमी आ रही है। इससे एकाग्रता और याददाश्त में कमी आ रही है तथा नया सीखने की क्षमता में गिरावट देखी गई है। चिकित्सकों का कहना है कि इनमें प्रयुक्त प्रिजरवेटर्स और कैमिकल स्लो पाइजन जैसा है। इनके नियमित सेवन से लीवर व किडनी तक खराब हो सकती है। इनमें प्रयुक्त यीस्ट एक्सट्रेक्ट पाउडर से एसिडिटी हो सकती है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है।

अमेरिका की सेना में इस कारण ऐसे युवाओं की भर्ती नहीं हो पा रही है। सरकार ने युवाओं को असली भोजन (Real Food) खाने की सलाह दी है। सरकार ने प्रोसेस्ड फूड से परहेज करने, उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन खाने, प्रोसेटड शुगर एवं मैदा से परहेज रखने तथा स्वस्थ वसायुक्त खानपान अपनाने पर जोर दिया है।

भारत के युवा तथा कारपोरेट सेक्टर के लोग जंक एवं प्रोसेस्ड फूड का सेवन कर रहे हैं। कई तो ऐसे रेस्ट्रोरेन्ट में तथा वहां से मंगवाकर खा रहे है वे इसे स्टेटस सिम्बल मानते हैं। यह स्थिति चिंताजनक है। 9 जनवरी DD News के DECODE Programm में एक रिपोर्ट में इसे गम्भीर समस्या माना है। हम प्रोसेस्ड फूड एवं जंक फूड से परहेज करें तथा प्राकृतिक भोजन, फल एवं हरी सब्जियों का सेवन कर अपना स्वास्थ्य बचायें। यह सभी के लिए श्रेयस्कर है। **संकलनकर्ता-सम्पादक**

अरावली का महत्व

सर्वप्रथम समाज के सभी सदस्यों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। आज हम उत्तरी भारत की आन-बान-शान जी हां, हमारी प्यारी अरावली पर्वत शृंखला के विषय में बात करेंगे। भारत वर्ष की धरती पर फैली विस्तृत अरावली शृंखला भौगोलिक दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही, वैज्ञानिक व ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस शृंखला का अत्यधिक महत्व है। यह पर्वत शृंखला राजस्थान, हरियाणा, गुजरात व दिल्ली तक फैली हुई है और इसकी लम्बाई लगभग 670 किलोमीटर की है। अरावली को दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत शृंखला में गिना जाता है। इनकी उत्पत्ति करीब 200 करोड़ वर्ष पहले की मानी जाती है। यह शृंखला भारत की जलवायु व पर्यावरण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा थार के रेगिस्तान के फैलाव को रोकने में मदद करती है। अरावली दक्षिण पश्चिम दिशा में गुजरात के पालनपुर से शुरू होकर दिली तक फेली है। इसकी ऊँचाई औसतन 300 से 900 मीटर तक की है। जबकि इसकी सबसे ऊँची चोटी गुरु शिखर है जिसकी ऊँचाई लगभग 1722 मीटर है और वह माउन्ट आबू में स्थित है। अरावली का शाब्दिक अर्थ है **पत्थरों की पंक्ति**। यह शृंखला एक दीवार की तरह है जो सूखी और गर्म हवाओं से उत्तरी भारत को रक्षा करती है। हिमालय पर्वत शृंखलाओं के मुकाबले भी अरावली 250 करोड़ साल से अधिक पुरानी मानी जाती है। भू वैज्ञानिक दृष्टि से अरावली का निर्माण टैक्टोनिक प्लैट्स के टकराव और ऑरोजिनिक प्रक्रिया का परिणाम है। अरावली की संरचना मुख्यत: बुंदेलखण्ड क्रेटोन, राजस्थान क्रेटोन और अन्य प्राचीन क्रेटोन के टकराव से बनी है। इस प्रक्रिया को अरावली दिल्ली ऑरिजिन कहा जाता है। अरावली का निर्माण समुद्री गर्तों में जमा चट्टानों के दबाव और मुड़ने की प्रक्रिया से हुआ। अरावली के भू वैज्ञानिक दृष्टि से भी अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। यह खनिजों से समृद्ध है और यहां से संगमरमर व तांबा, जस्ता और चांदी जैसी बहुमूल्य धातुएं प्राप्त होती हैं। इसके अलावा यह कई नदियों का स्रोत भी है जैसे लूनी, बनास और साबरमती जो कृषि और पीने के पानी के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। अरावली के जंगल जैविकता से भरे हुए हैं जहां दुर्लभ पौधे और जानवरों की प्रजातियां पायी जाती है। यहां अनेकों पशुपक्षियों का तथा वनस्पतियों का आवास है। **पर्यावरणीय दृष्टि से भी अरावली भारत की प्राकृतिक हरी-भरी दीवार है जो थार के फैलाव को रोकने के साथ ही वर्षा को भी प्रभावित करती है व जल संरक्षण में भी सहायक है।** बारिश का पानी चट्टानों से रिस कर भूजल का स्रोत बनता है। आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो यह खनिजों और पर्यटन के माध्यम से रोजगार प्रदान करती है लेकिन अवैध खनन और शहरीकरण के कारण अरावली पर गंभीर खतरों के बादल मंडरा रहे हैं। इतिहास और संस्कृति की दृष्टि से भी अरावली महत्वपूर्ण है। इसके क्षेत्र के अन्दर कई प्राचीन किले, मंदिर और प्राचीन कालीन स्मारक पाये जाते हैं। भू वैज्ञानिक अध्ययन यहां की चट्टानों और वनस्पति के इतिहास को समझने में मदद करता है। वर्तमान में अवैध खनन और जलवायु परिवर्तन के कारण अरावली का लगभग 20 प्रतिशत क्षेत्र प्रभावित हो चुका है। अरावली पर्वत शृंखला भारत की एक महत्वपूर्ण प्राचीन व अनमोल धरोहर है। यह पर्यावरण, आर्थिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक व भौगोलिक सभी दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इसे सुरक्षित रखना और सतत विकास के साथ खनन और शहरीकरण को नियंत्रित करना हमारी जिम्मेदारी है। अगर अरावली खत्म हो गयी तो न केवल राजस्थान और हरियाणा बल्कि दिल्ली NCR भी रेगिस्तान में बदल सकता है। इसलिए इसकी सुरक्षा और संरक्षण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

-उर्वशी बालोदिया

150 बच्चों को स्वेटर-इनर वितरण, ओपन शेल्टर होम में कोचिंग सेंटर शुरू करने का संकल्प

शिवदासपुरा स्थित ओपन शेल्टर होम (चिल्ड्रन), जिसे दीपामोहन वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित किया जा रहा है, में शनिवार को जरूरतमंद बच्चों के लिए स्वेटर व इनर वितरण एवं भामाशाह सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष मोहनलाल कुमावत एवं सचिव दीपा के नेतृत्व में संचालित इस शेल्टर होम में गरीब, असहाय बच्चों के लिए नि:शुल्क कोचिंग, अध्यापन एवं आवास की सुविधा उपलब्ध है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रहलाद राय

टांक राज्य मंत्री एवं अध्यक्ष माटी कला बोर्ड, राजस्थान सरकार ने 150 बच्चों को गर्म स्वेटर व इनर वितरित किए। इस अवसर पर गरीब बच्चों के लिए सरकारी सेवाओं में चयन हेतु विशेष कोचिंग सेंटर शुरू करने का संकल्प भी लिया गया।

शेल्टर होम का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान कर शिक्षा एवं संस्कारों से जोड़ना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

छत्रपति शिवाजी

भारतीय इतिहास के आकाश में छत्रपति शिवाजी महाराज एक ऐसे ध्रुव तारे की तरह हैं, जिनकी चमक सदियों बाद भी फीकी नहीं पड़ी है। 19 फरवरी को मनाई जाने वाली 'शिवाजी जयंती' केवल एक राजा का जन्मदिन नहीं, बल्कि स्वाभिमान, साहस और सुशासन के उत्सव का प्रतीक है।

अदम्य साहस और स्वराज की स्थापना

शिवाजी महाराज का जन्म 1630 में शिवनेरी दुर्ग में हुआ था। उनके समय में भारत विदेशी आक्रांताओं और दमनकारी सत्ताओं के अधीन था। माता जीजाबाई एक अत्यंत धर्मपरायण और साहसी महिला थीं। शिवाजी के व्यक्तित्व पर उनकी माता का गहरा प्रभाव था। उन्होंने बचपन में ही रामायण और महाभारत की कथाएं सुनकर वीरता और न्याय के संस्कार आत्मसात कर लिए थे। मात्र 16 वर्ष की अल्पायु में, जब बच्चे खेल-कूद में व्यस्त रहते हैं, उन्होंने तोरण किले पर विजय प्राप्त कर 'हिंदवी स्वराज' का बिगुल फूँक दिया था। उनके लिए 'स्वराज' का अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक ऐसे राज्य की स्थापना था जहाँ प्रजा निर्भय होकर जी सके।

युद्ध कौशल और नवाचार : शिवाजी महाराज ने युद्ध की दुनिया में 'गनिमी कावा' (छापामार युद्ध) पद्धति को विकसित किया। उन्होंने सिखाया कि यदि शत्रु संख्या में आपसे दस गुना बड़ा हो, तो सीधी टक्कर के बजाय अपनी बुद्धि और भौगोलिक स्थिति (पहाड़ों और जंगलों) का उपयोग कर उसे परास्त किया जा सकता है। कोंढाणा, प्रतापगढ़ और रायगढ़ की विजयें उनके इसी रणनीतिक कौशल का प्रमाण हैं।

शिवाजी महाराज की शाश्वत शिक्षाएं (Teachings)

आज के युवाओं और नेतृत्वकर्ताओं के लिए उनका जीवन एक खुली किताब है, जिससे निम्नलिखित महत्वपूर्ण शिक्षाएं ली जा सकती हैं:

1. स्त्री सम्मान सर्वोपरि: शिवाजी महाराज के शासन में महिलाओं का अपमान अक्षम्य अपराध था। उन्होंने कल्याण के सूबेदार की बहू को ससम्मान वापस भेजकर यह मिसाल पेश की कि युद्ध के मैदान में भी नैतिकता और चरित्र को नहीं छोड़ना चाहिए।

2. दूरदर्शिता (भारतीय नौसेना के जनक): उन्होंने 17वीं सदी में ही समझ लिया था कि भविष्य में विदेशी शक्तियां समुद्र के रास्ते आएंगी। इसीलिए उन्होंने एक शक्तिशाली नौसेना का गठन किया, जिसके कारण उन्हें 'Father of Indian Navy' कहा जाता है।

3. धार्मिक सहिष्णुता: वे कट्टर हिंदू थे, लेकिन उनके मन में अन्य धर्मों के प्रति कोई द्वेष नहीं था। उनकी सेना में कई उच्च पदों पर मुस्लिम अधिकारी तैनात थे। उन्होंने सिखाया कि धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है, लेकिन राष्ट्र सेवा सर्वोपरि है।

4. अष्टप्रधान मंडल (प्रबंधन): उन्होंने सुशासन के लिए आठ मंत्रियों की परिषद बनाई थी, जो आज के 'कैबिनेट सिस्टम' की तरह थी। यह हमें टीम वर्क और जिम्मेदारी के बँटवारे की सीख देता है।

निष्कर्ष : शिवाजी महाराज का जीवन हमें सिखाता है कि "स्वतंत्रता कोई उपहार नहीं है, इसे अपने पुरुषार्थ से अर्जित करना पड़ता है।" उनको जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके बताए न्याय, समानता और राष्ट्रभक्ति के पथ पर चलेंगे।

छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन संघर्ष, उनके युद्ध कौशल और 'हिंदवी स्वराज' की स्थापना की प्रेरणादायक कहानी है।

- रमेश गैंदर

मेवाड़ कुमावत महाकुम्भ 2025 संम्पन्न

राजसमंद, 29 दिसम्बर 2025 मेवाड कुमावत समाज महाकुंभ 2025 श्री साँवरिया जी मंडफिया में प्रथम सत्र महामहिम राज्यपाल हरीभाऊ बागडे राजस्थान सरकार के मुख्य आतिथ्य कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत भूतं विधायक नानूराम कुमावत के विशिष्ट आतिथ्य व आयोजन समिति संयोजक शंकरलाल मेरावंडिया की अध्यक्षता में व द्वितीय सत्र परम पूज्य महन्त श्री चेतननाथ जी बणाई आश्रम राजसमन्द, महामण्डलेश्वर उज्जैन, महन्त श्री ज्ञानदास जी, संत श्री लक्ष्मीदास जी, महन्त श्री श्यामदास जी, महन्त श्री रामदास जी सरदार नगर, महन्त श्री कृष्णावंद जी गुलाबपुरा, महन्त श्री रामदास जी पाखर महवा, संत श्री माणकराम जी रामद्वारा रायपुर करेडा व कुमावत समाज मेवाड़ अंचल के समस्त चोकियों के अध्यक्ष, मंत्री व पदाधिकारियों के सानिध्य मे सम्पन्न हुआ। मेवाड़ के प्रसिद्ध तीर्थ श्री साँवरिया जी मंडफिया में राष्ट्रगान तत्पश्चात श्री सांवरियाजी को छवि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। आयोजन समिति संयोजक व सदस्यों द्वारा महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, राजस्थान सरकार केबीनेट मंत्री जोराराम कुमावत का मेवाड़ी पगड़ी व ईकलाई पहनाकर कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल के स्वागत उद्बोधन में आयोजन समिति संयोजक शंकरलाल मेरावंडिया ने कहा की संवैधानिक गरिमा के संरक्षक के रूप में आपकी उपस्थिति राजस्थान के शैक्षिक और सामाजिक विकास के लिए एक नई आशा की किरण है। आपके मार्गदर्शन में प्रदेश निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। उन्होने उनका ध्यान कुमावत समाज के एक महत्वपूर्ण संकल्प की ओर आकर्षित किया कि वर्तमान में समाज के दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों मे आने वाले निर्धन और मेधावी छात्रों के लिए आवास की समुचित व्यवस्था न होने के कारण उनकी उच्च शिक्षा बाधित हो रही है। इन विद्यार्थियों के लिए एक आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास का निर्माण करने की इच्छा बताई जहाँ शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों और कौशल विकास पर भी ध्यान दिया जा सके। इस व्यापक परियोजना हेतु लगभग 25 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। उनमे अनुरोध किया कि शिक्षा के इस पुनीत कार्य हेतु उचित स्थान पर सरकारी भूमि रियायती दर पर या आवंटन के माध्यम से उपलब्ध कराने हेतु संबंधित विभाग/सरकार को निर्देशित करने की कृपा करें। इस अनुकंपा से बनने वाला यह छात्रावास हजारों युवाओं के भविष्य को

संवारने में मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही विशेष अनुरोध किया कि राजस्थान राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल जाति/वर्ग की सूची के क्रमांक 31 पर कुम्हार (प्रजापति), कुमावत, सुआरा, मोयला जाति दर्ज है, उक्त क्रमांक में दर्ज जाति कुम्हार (प्रजापति), सुआरा, मोयला जातियां '**कुमावत**' जाति से अलग जातियां है, उनका रीति रिवाज, पहनावा, संस्कृति, कुलदेवी आदि अलग है। अतः आप राजस्थान राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल जाति/वर्ग की सूची में 'कुमावत' जाति को अलग क्रमांक पर अंकित करवाने का श्रम करवाये। हमें पूर्ण विश्वास है कि शिक्षा और लोक-कल्याण के प्रति आपकी संवेदनशीलता के फलस्वरूप हमारी इन मांग पर सकारात्मक विचार किया जाएगा।

विशिष्ट अतिथि देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने संम्बोधित करते हुए कुमावत समाज के लिए हर समय तत्पर रहने व सहयोग करने की बात कही। पूर्व विधायक नानुराम कुमावत ने ओबीसी आरक्षण में वर्गीकरण व मेवाड़ क्षेत्र के चित्तौड़गढ़, उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा व प्रतापगढ़ पांचों जिलों के जिला मुख्यालय के आसपास कुमावत समाज के निर्धन व मेधावी छात्र छात्राओं के लिए छात्रावास निर्माण हेतु रियायती दर पर जमीन आंवटन की मांग रखी।

मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में कुमावत समाज द्वारा किये जाने वाले सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए छात्रावास हेतु जमीन आवन्टन के लिए आश्वस्थ किया और कहा की समाज में अधिक से अधिक शिक्षा का प्रचार हो शिक्षा से ही समाज व देश का विकास संभव है।

आयोजन समिति की ओर से गिरिराज खनाडिया, मांडल प्रधान शंकरलाल सींदड, प्रभुलाल कुमावत, प्रकाशचन्द कुमावत छोटीसादडी,भंवरलाल कुमावत प्रतापगढ़, प्रहलाद साडीवाल, बालुराम पिलोदिया, उदयराम मानणिया, भरत बघेरीवाल, रेमत लाल मुंडेल, माँगीलाल साडीवाल, गोवर्धन लाल खटोड, लक्ष्मीनारायण कुमावत, गोपाल कुमावत, पन्नालाल टांक व मदनलाल बंबोरिया ने तलवार व श्री साँवरिया जी की छवि भेंट कर सम्मान किया।

तत्पश्चात द्वितीय सत्र में कुमावत समाज में जन्मे और आज के समय में धर्म का प्रचार कर रहे संत, महन्त समस्त चोकलो के अध्यक्ष, मंत्री व पदाधिकारियों के सानिध्य में आयोजन चला जिसमें आयोजन समिति सदस्यों ने सभी संत, महंत का सम्मान कर आशीर्वाद लिया।

उदयपुर के समाजसेवी हरिशंकर खंडारिया ने विकसित समाज को परिभाषित करते हुए कहा की कुमावत समाज मेवाड़ का एक मुखिया हो मजबूत संगठन बने ताकी कोई भी निर्णय ले तो पूरे मेवाड़ में लागू हो सके, समाज विकास के लिए एकता आवश्यक है।

कुमावत समाज मेवाड़ महाकुम्भ मे सर्वसम्मति से हजारों समाजजन व समस्त चौकियो कि उपस्थिति में शंकरलाल मेरावंडिया को कुमावत समाज मेवाड़ का अध्यक्ष बनाया गया। कार्यक्रम का संचालन डालचंद कुमावत लवाणा ने किया।

-गिरिराज कुमावत, सदस्य, मेवाड़ महाकुम्भ आयोजन समिति

अलौकिक सुगंध से सराबोर पारिजात वृक्ष

पारिजात वृक्ष सबसे अप्रत्याशित स्थानों में एक दुर्लभ वृक्ष है। समुद्र मंथन के समय निकले बहुमूल्य रत्नों में एक ये वृक्ष भी था, पारिजात नाम है इसका, इसे ही कल्पवृक्ष भी कहा गया है।

पूरी रात सुगंधी बिखेरता पारिजात,भोर होते ही अपने सभी फूल पृथ्वी पर बिखेर देता है! अलौकिक सुगंध से सराबोर इसका पुष्प केवल मन को ही प्रसन्न नहीं करता, अपितु तन को भी शक्ति देता है! एक कप गर्म पानी में इसका फूल डालकर पियें, अद्भूत ताजगी मिलेगी। यह पश्चिम बंगाल का राजकीय पुष्प है।

इंद्र के बगीचे में स्थित इस वृक्ष को सिर्फ उर्वशी को छूने का अधिकार था, इसके नीचे बैठने, या छूने मात्र से थकान दूर हो जाती है और नई ऊर्जा का संचार होता है। स्वर्ग में इसको छूने से देव नर्तकी उर्वषी को थकान मिट जाती थी, पारिजात नाम के इस वृक्ष के फूलों को देव मुनि नारद ने श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा को दिया था, इन अदभूत फूलों को पाकर सत्यभामा भगवान श्री कृष्ण से जिद कर बैठी कि पारिजात वृक्ष को स्वर्ग से लाकर उनको वाटिका में रोपित किया जाए!

सत्यभामा की जिद पूरी करने के लिए जब श्री कृष्ण ने पारिजात वृक्ष लाने के लिए नारद मुनि को स्वर्ग लोक भेजा तो इन्द्र ने श्री कृष्ण के प्रस्ताव को ठुकरा दिया और पारिजात देने से मना कर दिया, जिस पर भगवान श्री कृष्ण ने गरूड पर सवार होकर स्वर्ग लोक पर आक्रमण कर दिया और परिजात को प्राप्त कर लिया, श्री कृष्ण ने यह पारिजात लाकर सत्यभामा की वाटिका में रोपित कर दिया!

भगवान श्री कृष्ण ने पारिजात को लगाया तो था सत्यभामा की वाटिका में, परन्तु उसके फूल उनकी दूसरी पत्नी रूकमणी की वाटिका में गिरते थे, एक मान्यता के अनुसार परिजात वृक्ष की उत्पत्ति समुन्द्र मंथन से हुई थी, जिसे इन्द्र ने अपनी वाटिका में रोप दिया था!

यह वृक्ष एक हजार से पांच हजार वर्ष तक जीवित रह सकता है, पारिजात वृक्ष के वे ही फूल उपयोग में लाए जाते है, जो वृक्ष से टूटकर गिर जाते है, यानि वृक्ष से फूल तोड़ने की पूरी तरह मनाही है!

यह वृक्ष आसपास लगा हो खुशबू तो प्रदान करता ही है, साथ ही नकारात्मक उर्जा को भी भगाता है, इस उपयोगी वृक्ष को अवश्य ही घर के आसपास लगाना चाहिए!

पारिजात एक पुष्प देने वाला वृक्ष है, इसका वृक्ष 10 से 15 फीट ऊँचा होता है..... पारिजात पर सुन्दर व सुगन्धित फूल लगते हैं....इसकी सबसे बड़ी पहचान है सफेद फूल और केसरिया डंडी होती है... इसके फूल रात में खिलते है और सुबह सब झड जाते है।

पारिजात अत्यंत लाभकारी ओषधि हैं जो अनेक रोगों को दूर करने में सहायक है।

साइटिका का सफल इलाज :

एक पैर में पंजे से लेकर कमर तक दर्द होना साइटिका या रिंगण

बाय कहलाता है। प्राय: पैर के पंजे से लेकर कूल्हे तक दर्द होता है जो लगातार होता रहता है। मुख्य लक्षण यह है कि दर्द केवल एक पैर में होता है। दर्द इतना अधिक होता है कि रोगी सो भी नहीं पाता। हारसिंगार के 10-15 कोमल पत्ते जो कटे-फटे न हों तोड़ लाएँ, पत्ते को धो कर थोड़ा सा कूट ले या पीस ले, बहुत अधिक बारीक पीसने कि जरूरत नहीं है। लगभग 200-300 ग्राम पानी (2 कप) में धीमी आंच पर उबालें, तेज आग पर मत पकाए, चाय की तरह पकाए,चाय कि तरह छान कर गरम गरम पानी (काढ़ा) पी ले। पहली बार मे ही 10% फायदा होगा। प्रतिदिन 2 बार पिए पर इस हरसिंगार के पत्तों के काढ़े से 15 मिनट पहले और 1 घंटा बाद तक ठंडा पानी न पीए, दही लस्सी और आचार न खाएं।

अब यह वृक्ष धरती पर है इस पेज के बीज बनते हैं, और इसको कलम विधि के द्वारा पैदा किया जा सकता है।

रात को इसके फूल खिलते हैं,,और गंध इतनी दिव्य है कि इस लोक की लगती ही नहीं है। ईश्वर के आशीर्वाद अद्भुत और विचित्र हैं।

- सीमा कुमावत

आपका स्वास्थ्य

बथुआ साग नहीं, एक औषधि है

सागों का सरदार है **बथुआ**, सबसे अच्छा आहार है बथुआ। बथुआ को अंग्रेजी में Lamb's Quarters कहते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम Chenopodium album है।

साग और रायता बना कर बथुआ अनादि काल से खाया जाता रहा है। विश्व की सबसे पुरानी महल बनाने की पुस्तक शिल्प शास्त्र में लिखा है कि हमारे बुजुर्ग अपने घरों को हरा रंग करने के लिए पलस्तर में बथुआ मिलाते थे?

हमारी बुजुर्ग महिलायें सिर से डैंड्रफ साफ करने के लिए बथुए के पानी से बाल धोया करती थीं। बथुआ गुणों की खान है और भारत में ऐसी अनेक जड़ी बूटियां हैं जिनका सेवन करना हमारे पूर्वज जानते थे। तभी तो हमारा भारत महान है।

बथुए में क्या-क्या है? आईये जाने-

बथुआ विटामिन B1, B2, B3, B5, B6, B9 और C से भरपूर है तथा बथुए में कैल्शियम, लोहा, मैग्नीशियम, मैगनीज, फास्फोरस, पोटाशियम, सोडियम व जिंक आदि मिनरल्स हैं।

100 ग्राम कच्चे बथुवे यानि पत्तों में 7.3 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 4.2 ग्राम प्रोटीन व 4 ग्राम पोषक रेशे भी होते हैं। कुल मिलाकर 43 Kcal होती है।

जब बथुआ मट्ठा, लस्सी या दही में मिला दिया जाता है तो यह किसी भी मांसाहार से ज्यादा प्रोटीन वाला व किसी भी अन्य खाद्य पदार्थ से ज्यादा सुपाच्य व पौष्टिक आहार बन जाता है। साथ में बाजरे या मक्का की रोटी, मक्खन व गुड़ की डली हो तो इसे खाने का मजा ही कुछ और है।

जब कोई बीमार होता हैं तो डाक्टर सबसे पहले विटामिन की गोली खाने की सलाह देते हैं। गर्भवती महिला को खासतौर पर विटामिन B, C व Iron की गोली बताई जाती है। बथुए में ये सब कुछ है। कहने का तात्पर्य है कि बथुआ पहलवानों से लेकर गर्भवती महिलाओं तक, बच्चों से लेकर बूढों तक, सबके लिए अमृत समान है।

बथुआ का साग प्रतिदिन खाने से गुर्दों में पथरी नहीं होती। बथुआ आमाशय को बलवान बनाता है एवं गर्मी से बढ़े हुए यकृत को ठीक करता है। बथुए के साग का सही मात्रा में सेवन किया जाए तो यह नि:रोग रहने के लिए सबसे उत्तम औषधि है।

बथुए का सेवन कम से कम मसाले डालकर करें, नमक न मिलाएँ तो अच्छा है, यदि स्वाद के लिए मिलाना पड़े तो काला नमक मिलाएँ और देशी गाय के घी से छौंक लगाए। बथुए का उबला हुआ पानी अच्छा लगता है तथा दही में बनाया हुआ रायता स्वादिष्ट होता है। अत: किसी भी तरह बथुआ नित्य सेवन करें।

बथुए में जिंक होता है जो कि शुक्रवर्धक होता है। बथुआ कब्ज दूर करता है और अगर पेट साफ रहेगा तो बीमारी नहीं होगी तथा ताकत एवं स्फूर्ति बनी रहेगी। जब तक इस मौसम में बथुये का साग मिलता रहे नित्य इसकी सब्जी खाए।

बथुये का रस, उबाला हुआ पानी पियें तो यह खराब लीवर को भी ठीक कर देता है। पथरी हो तो एक गिलास कच्चे बथुए के रस में शक्कर मिलाकर नित्य पिए तो पथरी टूटकर बाहर निकल जाती है। मासिक धर्म रुका हुआ हो तो दो चम्मच बथुए के बीज एक गिलास पानी में उबालें, आधा रहने पर छानकर पी जाए, तुरंत लाभ होगा। आँखों में सूजन, लाली हो तो प्रतिदिन बथुए की सब्जी खाएँ। पेशाब के रोगी बथुआ आधा किलो, पानी तीन गिलास, दोनों को उबालें और फिर पानी छान लें। बथुए को निचोड़कर पानी निकाल कर यह भी छाने हुए पानी में मिला लें। स्वाद के लिए नींबू , जीरा, जरा सी काली मिर्च और काला नमक डाल लें और पी जाए।

आप ने अपने दादा दादी से ये कहते जरूर सुना होगा कि हमने तो सारी उम्र अंग्रेजी दवा की एक गोली भी नहीं ली उनके स्वास्थ्य व ताकत का राज यही बथुआ ही रहा है। मकान को रंगने से लेकर खाने व दवाई तक बथुआ काम आता है।

हाँ अगर बथुए के पानी से सिर के बाल धोते हैं, क्या करेंगे शेम्पू!

लेकिन अफसोस! हम ये बातें भूलते जा रहे हैं और इस दिव्य पौधे को नष्ट करने के लिए अपने-अपने खेतों में रासायनिक जहर डालते हैं। तथाकथित कृषि वैज्ञानिकों ने बथुए को भी कोंधरा, चौलाई, सांठी, भाँखड़ी जैसी सैकड़ों आयुर्वेदिक औषधियों को खरपतवार की श्रेणी में डाल दिया है और हम भारतीय कुछ भी न कर पाये।

बथुआ गुणों से भरपूर है तो सर्दी के इस सीजन में हम सभी इसका सेवन कर स्वस्थ रहे।

सावधानी: रोगी इसका सेवन चिकित्सकीय परामर्श लेकर करें।

विशिष्ट संरक्षक

वि/1 श्री [illegible] चन्द [illegible], [illegible], जयपुर
वि/2 श्री गौरव धूपधोलिया, अम्बाबाड़ी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एरोड्रोम, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरस्वा, जयपुर
वि/5 श्री भंवर लाल नागरवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री महेन्द्र धनोपिया, विद्याधर नगर, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप [illegible], बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री गजेन्द्र कुमार वर्मा, [illegible], जयपुर
वि/10 श्री [illegible] कुमार [illegible], जयपुर
वि/11 श्री [illegible] सरसल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री [illegible] कुमावत, [illegible] झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री [illegible] कुमावत, [illegible], जयपुर
वि/14 श्री मनोज मारोठिया, [illegible], जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, [illegible], जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण खोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री [illegible] वर्मा, [illegible], टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र [illegible], टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री [illegible] वालदिया, [illegible], जयपुर ([illegible])
वि/20 श्री [illegible] मल [illegible], [illegible] रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल नागवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश [illegible], [illegible], जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल धांदेला, [illegible], जयपुर
वि/24 श्री [illegible] [illegible], [illegible], जयपुर
वि/25 श्री [illegible] [illegible], झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री [illegible], [illegible] बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, [illegible], जयपुर
वि/28 श्री [illegible], [illegible] 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री [illegible] खोडाणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री [illegible] [illegible], [illegible], जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (धांदेला), मुंबई
वि/33 श्री [illegible] [illegible], [illegible], जयपुर
वि/34 श्री मनोज [illegible], श्रीराम नगर, [illegible]
वि/35 श्री [illegible] [illegible], [illegible], सीकर
वि/36 श्री मनीष [illegible], [illegible] रोड, जयपुर
वि/37 श्री [illegible] सिंह [illegible], जयपुर
वि/38 श्री [illegible] प्रकाश जलांधर, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा [illegible], इंदौर
वि/40 श्री राजेन्द्र प्रसाद, [illegible]
वि/41 श्री शिव भगवान [illegible], सिरस्वा, [illegible]
वि/42 श्री [illegible] प्रकाश [illegible], [illegible], जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज [illegible], [illegible], जयपुर
वि/44 श्री [illegible] कुमार [illegible], जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल [illegible], जयपुर
वि/46 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत ([illegible]), जयपुर
वि/48 श्री [illegible] सिरस्वा, [illegible], [illegible]
वि/49 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/50 श्रीमती [illegible] वर्मा, [illegible], दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री [illegible] [illegible], टोंक [illegible], जयपुर
वि/52 श्री मनीष चंद [illegible], जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष [illegible] कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री [illegible] [illegible], [illegible]
वि/56 श्री मनोज [illegible], रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम [illegible], जयपुर
वि/58 श्री [illegible] [illegible], [illegible] नगर, जयपुर
वि/59 श्री [illegible] सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री [illegible] कुमावत, [illegible], मुंबई
वि/61 श्री [illegible] सिंह [illegible], टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री [illegible] [illegible] (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल [illegible], जयपुर
वि/65 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री [illegible] [illegible], [illegible], जयपुर
वि/68 श्री [illegible] मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री [illegible] [illegible], [illegible]
वि/70 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद मारोठिया, [illegible], दिल्ली
वि/72 श्री [illegible] [illegible], दिल्ली
वि/73 श्री [illegible] [illegible], ब्यावर
वि/74 श्री [illegible] सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री [illegible] [illegible], लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री [illegible] [illegible], [illegible] रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, [illegible], जयपुर
वि/78 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार [illegible], झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल [illegible], जयपुर
वि/82 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण [illegible], जयपुर
वि/84 श्री [illegible] सिंह [illegible], [illegible] नगर, जयपुर
वि/85 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/86 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/87 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/88 श्री [illegible] वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री [illegible] [illegible], [illegible], जयपुर
वि/90 श्री [illegible] [illegible], [illegible], [illegible]
वि/91 श्री [illegible] [illegible], नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री [illegible] [illegible], [illegible], [illegible]
वि/93 श्री [illegible] [illegible], [illegible], जयपुर
वि/94 श्री [illegible] [illegible], तुलसी मेडल मंडी बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री [illegible] कुमावत, [illegible] नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र [illegible], अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री [illegible] कुमावत, [illegible], जयपुर
वि/98 श्री रमेश [illegible], [illegible], जयपुर
वि/99 श्री [illegible] नारायण [illegible], जयपुर
वि/100 श्री [illegible] कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत ([illegible]), [illegible] नगर, जयपुर
वि/103 श्री [illegible] कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री [illegible] चन्द [illegible], नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम [illegible] [illegible], झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री [illegible] लाल [illegible], उदयपुर
वि/108 श्री [illegible] कुमावत ([illegible]), जयपुर
वि/109 श्री [illegible] ([illegible]), नई दिल्ली
वि/110 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार [illegible], जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती [illegible] कुमावत, जयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री [illegible] [illegible] ([illegible]), जयपुर
वि/115 श्री [illegible] कुमावत ([illegible]), चौमूं
वि/116 श्री [illegible] मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील [illegible], [illegible], जयपुर
वि/118 श्री [illegible] [illegible], झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार धांदेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश [illegible], ब्यावर
वि/121 श्री [illegible] कुमावत ([illegible]), [illegible], जयपुर
वि/122 श्री [illegible] वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश [illegible], [illegible] कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री [illegible] प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री [illegible] सिंह [illegible] पुत्र श्री जी.एस. [illegible], जयपुर
वि/126 श्री [illegible] [illegible]
वि/127 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/128 श्री [illegible] [illegible] कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती [illegible] कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री [illegible] लाल [illegible], जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल [illegible], जयपुर
वि/132 श्री पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री [illegible] [illegible], जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, [illegible], जयपुर
वि/135 श्री [illegible] लाल [illegible], जयपुर
वि/136 श्री [illegible] [illegible], [illegible], जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम [illegible], पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री [illegible] [illegible], [illegible], जयपुर
वि/139 श्री [illegible] [illegible], [illegible], गोविन्दगढ़
वि/140 श्री [illegible] [illegible], [illegible]
वि/141 श्री मुकेश [illegible], [illegible] नगर, जयपुर
वि/142 श्री [illegible], [illegible], [illegible], जयपुर
वि/143 श्री [illegible] कुमार वर्मा, मानसरोवर [illegible], जयपुर
वि/144 श्री [illegible] [illegible], [illegible], जयपुर
वि/145 श्री [illegible] कुमावत ([illegible]), [illegible] पार्क, जयपुर
वि/146 श्री [illegible] सिंह, [illegible], जयपुर
वि/147 श्री [illegible] कुमावत, [illegible], जयपुर
वि/148 श्री [illegible] [illegible], [illegible] रोड, जयपुर
वि/149 श्री [illegible] मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री [illegible] [illegible], सूरत
वि/151 श्री [illegible] कुमावत, [illegible] नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, [illegible] रोड, सूरत
वि/153 डॉ. [illegible] कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/154 श्री महेश जोहरी, लालकोठी, जयपुर
वि/155 श्री [illegible] चंद कुमावत, [illegible], जयपुर
वि/156 श्री [illegible] कुमावत, [illegible]

"कुमावत इंडिया" पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

20 दिसम्बर श्री [illegible] कुमावत (106 वर्षीय) [illegible] ([illegible]) [illegible]
20 दिसम्बर श्री [illegible] [illegible], [illegible], [illegible]
20 दिसम्बर श्री [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] नगर, जयपुर
21 दिसम्बर श्रीमती [illegible] देवी धर्मपत्नी श्री [illegible] लाल [illegible], [illegible]
21 दिसम्बर श्री [illegible] [illegible], [illegible], [illegible]
22 दिसम्बर श्री [illegible] कुमावत [illegible], झोटवाड़ा, जयपुर
23 दिसम्बर श्रीमती [illegible] देवी पत्नी स्व. श्री [illegible], जयपुर
25 दिसम्बर श्री [illegible] [illegible], [illegible]
27 दिसम्बर श्री [illegible] [illegible], जयपुर
28 दिसम्बर श्री [illegible] [illegible], [illegible], [illegible]
28 दिसम्बर श्री [illegible] पुत्र स्व. श्री [illegible] सिंह ([illegible]), जयपुर
29 दिसम्बर श्रीमती [illegible] देवी [illegible], [illegible] कॉलोनी, [illegible]
30 दिसम्बर श्रीमती [illegible] देवी पत्नी स्व. श्री [illegible] [illegible], [illegible] नगर
1 जनवरी श्रीमती [illegible] देवी पत्नी स्व. श्री [illegible], [illegible]

2 जनवरी श्रीमती [illegible] देवी पत्नी स्व. श्री [illegible] [illegible], [illegible] नगर, जयपुर
2 जनवरी श्री [illegible] [illegible] ([illegible]), [illegible], जयपुर
3 जनवरी श्री [illegible] सिंह [illegible], [illegible] (56 वर्षीय), [illegible], [illegible] ([illegible])
4 जनवरी श्री [illegible] [illegible], [illegible], जयपुर
4 जनवरी श्री [illegible] [illegible], [illegible], चौमूं
4 जनवरी श्री [illegible] [illegible], जयपुर
5 जनवरी श्री [illegible] पुत्र श्री [illegible] चंद [illegible], [illegible]
6 जनवरी श्री [illegible] कुमावत [illegible] [illegible], [illegible] वाले
6 जनवरी श्री [illegible] वर्मा [illegible], [illegible], जयपुर
7 जनवरी श्री [illegible] [illegible], [illegible]
8 जनवरी श्री [illegible] [illegible], [illegible], [illegible]
9 जनवरी श्रीमती [illegible] पत्नी श्री [illegible], जयपुर
11 जनवरी श्री [illegible] [illegible], [illegible], [illegible]
12 जनवरी श्री [illegible] [illegible], [illegible], इंदौर
13 जनवरी श्रीमती [illegible] पत्नी स्व. श्री [illegible] लाल [illegible], [illegible]
13 जनवरी श्री [illegible] कुमार [illegible], [illegible], जयपुर
14 जनवरी श्रीमती [illegible] देवी पत्नी स्व. श्री [illegible], [illegible], [illegible]
14 जनवरी श्री [illegible] [illegible], [illegible], [illegible], जयपुर
15 जनवरी श्रीमती [illegible] देवी पत्नी स्व. श्री [illegible] [illegible], [illegible]

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
आशीष	B.Com. LLB	Advocate	20.10.95	5'7''	नराणिया	सिरस्वा	कारगवाल	तूनगरीया	9251717247	जयपुर
संदीप	B.Tech (Text.)	JEN (Govt.) AVVN	23.7.97	5'8''	खोवाल	तूंदवाल	मागवाल	ढिलीवाल	9680416206	जयपुर
घनश्याम	12th ITI		16.7.2004	5'7''	पोरवाल	माचीवाल	निमीवाल	पीपलोदा	9828219303	जयपुर
पवन	M.A. ITI	Computer operator	26.7.2001	5'8''	पोरवाल	माचीवाल	निमीवाल	पीपलोदा	9828219303	फुलेरा
एड. अनोप	B.Com. LLB	Labour counsellor	23.10.2000	5'6''	घोड़ेला	धुंधारिया	मारवाल	तूनगरिया	8005867920	जयपुर
दीपेन्द्र	MA(JMC), LLB	News 18 Rajasthan	19.5.2001	5'10''	देवतवाल	घोड़ेला	बड़ीवाल	भोड्या	9887037250	जयपुर
डॉ. सुमित	MBBS	Doctor in [illegible] (Govt.)	25.9.2000	5'11''	सेंगर				9313723675	भोपाल
निखिल	M.Tech (CS)	Sr. Data Engi.	6.10.97	5'9''	मारोठिया	गेदर	सिरस्वा	अनावड़िया	9314529497	जयपुर
नीरज	B.A.	C.K. Birla Hospital	23.10.98	5'6''	छापोला	उदनवाल	सिरोहिया	नेमीवाल	9784919499	जयपुर
पुनीत	CA	Asst. Finance Manager	3.2.91	5'11''	राजोरिया	सिवदासानी	तूंदवाल	–	9462031087	जयपुर
अंकित	Sr. Secondary	Artist	19.7.91	5'3'	भदानिया	धर्मानिया	चौगसिया	कुड़ीवाल	8233287500	जयपुर
C.A.हिमांशु	B.Com., C.A.	Pvt. Job	24.3.91	5'11''	कुण्डलवाल	जलान्दरा	जैलीवाल	भोड्या	9828089601	जयपुर
उत्कर्ष	B.Tech (CSE) BIT	Soft. dev. Pvt.Ltd	26.7.2000	5'11''	गेदर	जालवाल	अनावड़िया	नीमीवाल	9983313564	जयपुर
अंशुल	M.Com	Pvt. Job	12.11.96	5'9''	मारोठिया	बभानिलया	राहोरिया	छापोला	9829067519	जयपुर
नितिन	Hotel Management	Asst. Professor	29.8.98	5'11''	धुंधारिया	सिरस्वा	गेदर	देवतवाल	8209992635	जयपुर
देवेन्द्र	M.Com	Accountant	11.9.95	5'10''	नोखवाल	खोरानिया	कैकट्या	बालोदिया	9781090608	जयपुर
हर्ष	BA	MIS Coordinator	14.7.99	5'9''	कैकट्या	घोड़ेला	खण्डागिया	खोरानिया	9660569616	जयपुर
शुभम	M. Com.	Credit Manager in P.L.	26.7.94	6'1''	बबेरीवाल	खोरानिया	आसीवाल	भदानिया	9251752703	जयपुर
पुनित	M.Com	Pre. Govt. Job	14.8.99	5'6''	मारोठिया	रैनीवाल	सिरस्वा	बड़ीवाल	9214830148	जयपुर
CAसुमित	M.Com. CA	Audit Manager	21.12.92	5'7''	भोरोदिया	मारोठिया	धुंधारिया	तांगड़ा	9001904969	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
लक्ष्मी	Dip. Veternery Nursing	Vet. Asstt. (Govt)	8.12.2002	5'5''	देवतवाल	घोड़ेला	बड़ीवाल	भोड्या	9887037250	जयपुर
चेतना	B.Tech (CS)	Govt Service	19.5.93	5'2''	घोड़ेला	इन्दाडा	देवतवाल	दम्बीवाल	9794861717	जयपुर
दुर्गेशनंदिनी	B. Tech (I.T.)	Pvt. Ltd. comp.	1.12.94	5'2''	किरोड़ीवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	घोड़ेला	9351383277	जयपुर
मनीषा	M.Com (ABST)	--	14.7.94	5'3''	बबेरवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	8824390772	जयपुर
मीनू([illegible])	10th	--	34 वर्ष	5'4''	देवतवाल	पारवाल	सिरोहिया	भदानिया	8824275295	जयपुर
मिताली	M.Com	Pvt. Job	27.7.99	5'1''	दौराया	देवतवाल	राहोरिया	बालोदिया	9414078256	जयपुर
योगेश्वरी	M.Sc.(Maths)	IT Sector	11.11.99	5'8''	सिंघनवाल	सिरोहिया	खोरानिया	घोड़ेला	9413749633	जयपुर
भूमिका	Dip. in Textile	Own Business	29.12.99	5'2''	पारवाल	बालोदिया	कोलूगरिया	मारोठिया	9252028370	जयपुर
डॉ. प्रियंका	B.P.T.	Private Clinic	1.02.2002	5'5''	छापोला	बालोदिया	बागवाल	कारगवाल	8905031727	जयपुर
निकिता	BCA	Competitive Exam.	2.9.2004	5'7''	मारोठिया	जलान्दरा	धुंधारिया	करोड़ीवाल	9929442991	जयपुर
टीना	B.Sc (Nursing)	--	4.1.2002	5'8''	घोड़ेला	कारगवाल	अनावड़िया	मारड़ीवाल	9413136132	जयपुर
उर्मीला	BBA, MBA		1.4.98	5'0''	नेहरा	होदकास्या	धंरलीवाल	बोबारिया	9825680722	चूरू
पूजा	MA, B.Ed.	Pvt. Teacher	5.8.92	5'5''	पालिया	घोड़ेला	नागोरा	रसीगिया	9937179711	पुष्कर
नेहा	M.A.	''	14.1.99	5'3''	मालिया	घोड़ेला	बेड़ीवाल	मारोठिया	9251730970	जयपुर
ज्योति	B.Sc. B.Ed	''	25.4.93	5'4''	भोबारिया	पटेलवाल	टांक	नेनवाल	9414776421	सीकर
चारू	M.Sc. H.Sc.	Home Tution	5.4.98	5'0''	खटवाल	भोड्या	मारवाल	तूंदवाल	9929055935	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी निःशुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।
2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।
3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mailNkumawatindiaparika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/69 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखें

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ेवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ोवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड जनरल टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

डॉ. लवीश कुमावत

MBBS (2025)

डॉ. बनने पर

हार्दिक बधाई

माता-पिता

ताईजी -ताऊजी

शुभेच्छु

माता-पिता : श्रीमती विनीता कुमावत-डॉ. डी.एम. कुमावत

ताईजी-ताऊजी : श्रीमती रेणु कुमावत-डॉ. पी.एम. कुमावत

दीदी-जीजाजी : डॉ. पंखुरी शेनवी-डॉ. सुरेश शेनवी, डॉ. गिताली माथुर-डॉ. नितीश माथुर

भाई : डॉ. पर्व कुमावत, **भान्जा :** प्रथम शेनवी

E-3, विक्रम विश्वविद्यालय परिसर, कोठी रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)

श्रद्धांजलि

3 मई 1957–19 दिसम्बर 2025

स्व. श्री भागचन्द जी वर्मा (बैरा)

आपका सान्निध्य जीवन का उपहार था, आपका मार्गदर्शन सदा आधार था।
मुस्कान में अपनापन, बातों में संस्कार, आपने सिखाया रिश्तों का सच्चा अर्थ सार।
आज आप देह से दूर भले ही हो गए, पर विचारों में, संस्कारों में बस गए।
शत्-शत् नमन, अश्रुपूरित श्रद्धांजलि स्वीकार, हे मामा जी, आप रहेंगे सदा अपार।

- मनोज

श्रद्धावनत

रजनी कँवर (धर्मपत्नी), राहुल-आशालता (पुत्र-पुत्रवधू),
विमला देवी (बहन), रचना-कैलाश जी (पुत्री-जवाई), भारती (पुत्री),
प्रमोद-रेखा , राकेश (भतीजे) , मनोज (भांजा),
विजय लक्ष्मी-राजेंद्र जी, बबली-दिनेश जी, उमा (भांजी-जवाई)
युवान, आलिया, इशिका, चारुल, एकांश, हंसवानी, दक्षेश, विपुल, निशु (पोत्र-पोत्री)
एवं समस्त बैरा (तारकसी) परिवार

पता : 54, सुल्तान नगर, गुर्जर की थड़ी, गोपालपुरा, जयपुर। 9314504799, 9414060963

Global Earth Engineers Services Pvt. Ltd., Jaipur

SKY FORCE ENGINEERS

SKY FORCE ENGINEERS

201, Sanjay Tower, Behind Laxmi Mandir Cinema,
Tonk Road, Jaipur (Raj)
Contact No. : 94140 74376, 97846 06761, 96363 45567

मनोज कुमावत, विनोद कुमार, रामप्रकाश कुमावत

श्रीमती रेनु एवं श्री चेतन कुमावत

को 28 वीं वैवाहिक वर्षगांठ

5 फरवरी, 2026

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

तनुज कुमावत एवं समस्त धुन्धारिया परिवार व मित्रगण

निर्माण नगर, जयपुर, मो.:9829017584

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

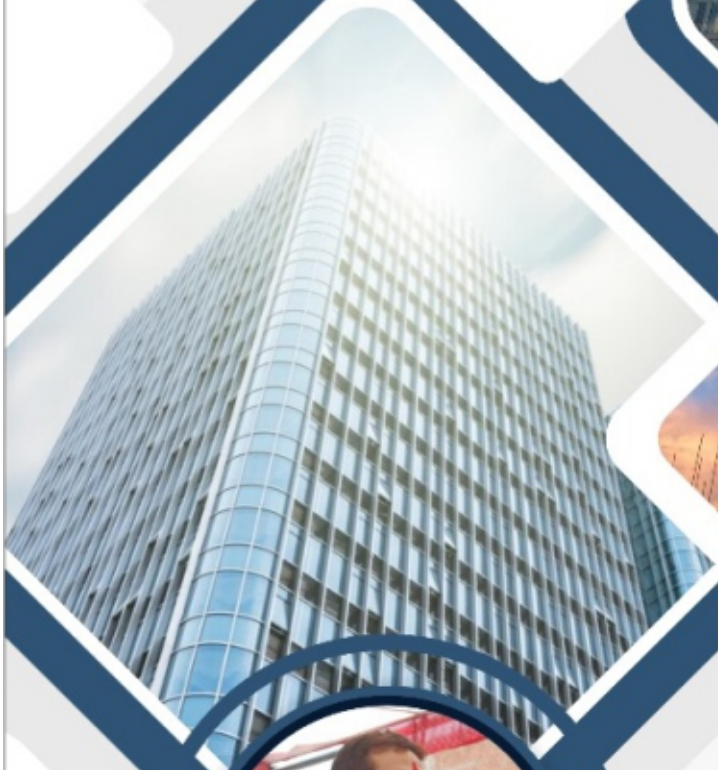

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

ADMISSION OPEN

Vijay Anand
International Academy

**Vill. AkedaChoud, Via-Jahota. Tah. Rampura Dabri,
Distt. Jaipur (Raj) - 303701 Call 9460852525**

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018